Page-01_Layout 1 3/22/2025 2:15 AM Page 1

■ वर्ष-17 ■ अंक-61 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य : 1 रुपए

नई दिल्ली, शनिवार, 22 मार्च, 2025

newdibyabharat@gmail.com

शहीदों से प्रेरणा लेकर युवा शक्ति विकसित भारत का निर्माण...पृष्ठ-2

दिव्य भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हमें दिव्यांगों के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने... पृष्ठ-5

संक्षिप्त

महिंदा राजपक्षे की पत्नी शिरांति के खिलाफ सीआईडी को जांच का आदेश

कोलंबो, (हि.स.)। श्रीलंका की सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे की पत्नी शिरांति राजपक्षे के खिलाफ दो भूमि सौदों की जांच करने का आदेश आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को दिया है। इम्बुलगोड़ा और केलानिया में एक मंदिर में कथित जबरन प्रवेश की अपनी कार्रवाई को उचित ठहराते हुए उप मंत्री ने कहा कि संबंधित भूमि किसी मंदिर की नहीं है।

पाकिस्तान में मुठभेड़, 10 आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद, (हि.स.)। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में हुई मुठभेड़ में कम से कम 10 आतंकवादियों को मार गिराया। इस मुठभेड़ में सुरक्षा बलों का नेतृत्व कर रहे कैप्टन हसनैन अख्तर की जान चली गई। सेना की मीडिया विंग ने कहा कि सुरक्षा बलों ने खुफिया सूचना के आधार पर 20 मार्च को आतंकवादियों को घेरा।

रोनेन बार की विदाई तय, नेतन्याहू का प्रस्ताव मंजूर

तेल अवीव, (हि.स.)। इजराइल की आंतरिक सुरक्षा सेवा शिन बेट के प्रमुख रोनेन बार की बार की विदाई तय हो गई। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार ने बार को बर्खास्त करने के लिए मतदान किया है। स्थानीय समयानुसार शुक्रवार सुबह हुए मतदान पर इजराइल के सर्वोच्च न्यायालय में अपील की जा सकती है।

ठगी के मामले में तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, (हि.स.)। दक्षिणी पश्चिमी जिले की साइबर थाना पुलिस ने एपीके फाइल (एंड्राइड पैकेज) के माध्यम से लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश कर तीन जालसाजों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ठगों से धोखाधड़ी के दौरान इस्तेमाल किए गए डिवाइस सहित के साथ छह स्मार्टफोन बरामद किए हैं।

महानायकों की मूर्तियों के सम्मानजनक रखरखाव के निर्देश

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को राष्ट्रीय ध्वज और देश के महानायकों की मूर्तियों के सम्मानजनक रखरखाव के लिए दिल्ली सरकार के संबंधित विभागों, अधिकारियो और संगठनों को निर्देश जारी किया है।

सौरभ भारद्वाज, मनीष सिसोदिया को मिला पंजाब का प्रभार

नई दिल्ली, (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने पूर्व विधायक एवं मंत्री सौरभ भारद्वाज को पार्टी का दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री और आआपा के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया को पंजाब का प्रभारी और सत्येन्द्र जैन को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है।

मोदी सरकार ने ही किया नासूर बन चुकी समस्याओं के सम्पूर्ण उन्मूलन का प्रयास : शाह

रमाकान्त पाण्डेय

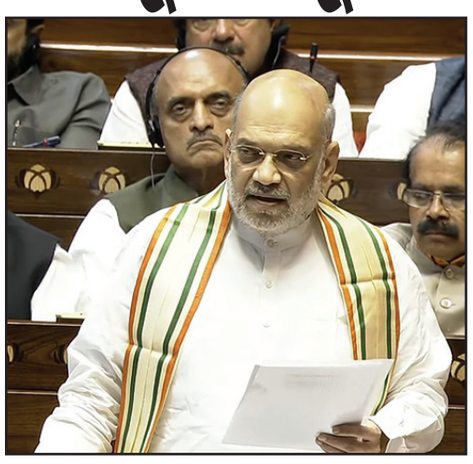

नई दिल्ली। गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को राज्यसभा में अपने मंत्रालय की कामकाज पर हुई चर्चा के जवाब में कहा कि उनकी सरकार ने देश की आंतरिक और सीमाई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई समयानुकूल बदलाव किए हैं। हमने तकनीक, राजनीतिक इच्छा शक्ति, विधि जरूरतों को पूरा करने के साथ सुरक्षा बलों का हौसला बढ़ाया है, जिससे देश में आज पहले से कहीं अधिक सुरक्षित माहौल है।

राज्यसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए गृहमंत्री ने करीब दो घंटे के अपने जवाब में तीन प्रमुख समस्याओं जम्मू कश्मीर में आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद और पूर्वोत्तर में अलगाववाद पर उनकी सरकार की ओर से उठाए गए निर्णायक कदमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में ही इन नासूर बन चुकी समस्याओं के सम्पूर्ण उन्मूलन के प्रयास किए गए। सुरक्षा, विकास और सार्वभौमत्व की इन समस्याओं के कारण चार दशक में देश के करीब 92 हजार नागरिक मारे गए।

गृहमंत्री ने इसके अलावा संगठित अपराध, ड्रग कारोबार और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन पर भी अपनी मंत्रालय की ओर से किए कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ काम कर रही है। पूर्वोत्तर की समस्याओं को हम समाप्त करने के कगार पर हैं। इसके अलावा भारत 6 महीने में स्वदेशी एंटी ड्रोन मॉडल तैयार कर लेगा। देश 2014 से पहले आपदा प्रबंधन राहत केंद्रित था, अब बचाव केंद्रित दृष्टिकोण के साथ हम आगे आए हैं और इस देश में गत वर्ष में दो आपदाएं आई हैं, जिसमें जीरो मानव जीवन का नुकसान हुआ है।

जम्मू-कश्मीर को लेकर विपक्ष पर निशाना साधते हुए गृहमंत्री ने कहा कि काला चश्मा पहनने वालों को जम्मू कश्मीर में विकास नहीं दिखाई दे रहा। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाकर वहां के विकास प्रयासों को बढ़ाया गया है। आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि दुनिया में केवल दो देश अमेरिका और इजराइल अपनी सुरक्षा और सीमाओं के लिए स्टैंड लेते थे, उरी और पुलवामा के मामले में भारत ने भी यही किया।

उन्होंने कहा, हिसाब मांगते हैं कि क्या हुआ 370 हटाने का परिणाम साहब, हिसाब तो उनको दिया जाता है, नजारा तो उनको दिखाया जाता है, जिनकी नजरें साफ हों। जो काला चश्मा पहन कर, आंखें मूंद कर बैठे हैं, उनको विकास नहीं दिखा सकते हैं। अरे भाई, जिनकी नजर में आतंकवादी है, तो आपको सपने में भी आएगा और आपको कश्मीर में भी दिखाई पड़ेगा। हम तो आतंकवादी देखते ही सीधा दो आंखों के बीच में गोली मारते हैं। हमारी सरकार न आतंकवाद को सह सकती है और न ही आतंकवादियों को।

वामपंथी उग्रवाद पर गृह मंत्री ने कहा कि संवाद, सुरक्षा और समन्वय कर जवानों और नवीनतम तकनीक का उपयोग कर 21 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त किया जाएगा। 2023 दिसंबर में छत्तीसगढ़ में शासन बदला और भाजपा की सरकार आई। इसके बाद एक ही साल के अंदर 380 नक्सली मारे गए। इसमें कल के 30 जोड़ना बाकी हैं। 1,194 गिरफ्तार हुए और 1,045 सरेंडर कर गए। कुल 2,619 नक्सलियों की कमी आई।

गृहमंत्री ने पूर्वोत्तर की समस्या के समाधान के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी और कहा कि अब वहां अलगाववादी घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आई है। इसके अलावा नागरिकों और सुरक्षा कर्मियों की होने वाली मौतों में भी बड़ी संख्या में कमी आई है। पूर्वोत्तर में हमने 12 शांति समझौते किए हैं। 10,900 युवा मुख्य धारा में लौटे हैं। चोटियों पर बसे गांव, जिन्हें भारत का अंतिम गांव माना जाता था प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के अंतिम गांव को भारत का प्रथम गांव कहा। यह सोच में बदलाव दशार्ता है।

गृहमंत्री ने बताया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए एनआई एक्ट में संशोधन किया गया है। देश की सरकार दूर दृष्टि के साथ काम कर रही है और पीएफआई जैसे संगठनों पर लगाम लगा रही है ताकि सर उठाने से पहले ही उसे कुचल दिया जाए। पंजाब में कुछ लोग नए भिंडरावाला बनने की कोशिश कर रहे थे, हमने सुनिश्चित किया कि वे पंजाब में भाजपा सरकार नहीं होने के बावजूद जेल में सड़ें।

चिकित्सा शिक्षा में एम्स ने एक मानक स्थापित किया है : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को भारत मंडपम में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के 49वें दीक्षांत समारोह में कहा कि एम्स नई दिल्ली ने स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा में एक मानक स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि आज स्नातक होने वाले डॉक्टर और शोधकर्ता हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने और समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि एम्स गीता के कर्मयोग की चलती हुई प्रयोगशाला है।

दीक्षांत समारोह के दौरान विभिन्न विषयों में कुल 1,886 डिग्रियां प्रदान की गईं, जिनमें 77 पीएचडी स्कॉलर, 363 डीएम एवं एमसीएच विशेषज्ञ, 572 एमडी, 76 एमएस, 49 एमडीएस, 74 फेलोशिप, 172 एमएससी, 191 एमबीबीएस और 312 बीएससी शामिल हैं। एम्स में सराहनीय सेवाओं के लिए 8 डॉक्टरों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। 28 छात्रों और डॉक्टरों को पदक और पुस्तक पुरस्कार जबकि 9 को प्रशंसा पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एम्स एक गौरवपूर्ण मेड-इन-इंडिया सफलता की कहानी है और यह पूरे देश में अनुकरणीय मॉडल है। यह विशेष रूप से कोविड-19 जैसी महामारी के समय में पथप्रदर्शक अनुसंधान में सबसे आगे रहा है। उन्होंने कहा, एम्स की जिम्मेदारी स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अनुसंधान से परे है। यह एक ऐसे माहौल को बढ़ावा देने तक फैली हुई है जहां हर हितधारक की आवाज सुनी जाती है, जहां संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग किया जाता है और जहां उत्कृष्टता आदर्श है।

आज स्वास्थ्य सेवा में चुनौतियों को रेखांकित करते हुए राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि स्वास्थ्य सेवा में प्रगति के साथ जीवन प्रत्याशा बढ़ रही है। परिणामस्वरूप वृद्ध लोगों की संख्या बढ़ रही है, जिससे इस क्षेत्र में नई चुनौतियां सामने आ रही हैं। साथ ही, चिकित्सा पेशा आधुनिक समय में जीवनशैली में बदलाव के कारण होने वाली बीमारियों से जूझ रहा है। उन्होंने एम्स नई दिल्ली के संकाय से मानसिक स्वास्थ्य पर जागरुकता अभियान शुरू करने का आग्रह किया ताकि लोगों को इस छिपी हुई बीमारी के बारे में जागरूक किया जा सके।

राष्ट्रपति ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए अल्पकालिक प्रयोग करती है जबकि आयुर्वेद, योग और चिकित्सा की कई पारंपरिक प्रणालियां मानव स्वास्थ्य के लिए दीर्घकालिक और समग्र दृष्टिकोण अपनाती हैं। इस संदर्भ में उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी मामलों से निपटने में आधुनिकता और परंपरा का मिश्रण पेश करने के लिए भारत की प्राचीन स्वास्थ्य उपचार पद्धतियों को अपनाने के लिए एम्स नई दिल्ली की सराहना की। उन्होंने एम्स से स्वास्थ्य देखभाल प्रोटोकॉल में लैंगिक समानता लाने के लिए अभियान शुरू करने का भी आह्वान किया, क्योंकि यह देखा गया है कि हृदय रोग और अन्य बीमारियों से पीड़ित अधिकांश रोगी मुख्य रूप से पुरुष हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि आज एम्स ने केवल देश में बल्कि दुनिया में स्वास्थ्य के क्षेत्र में नेतृत्वकर्ता के रूप में खड़ा है। निरंतर सीखने और विकास के प्रति प्रतिबद्धता ने एम्स नई दिल्ली को एक ऐसे मुकाम पर पहुंचाया है, जहां यह 2018 से चिकित्सा श्रेणी में एनआईआरएफ रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर है। एम्स ने देश की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपनी क्षमताओं का लगातार विस्तार किया है।

नागपुर में संघ मुख्यालय की रेकी करने वाले जैश के आतंकी की जमानत अर्जी खारिज

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय की रेकी करने वाले जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी रईस अहमद शेख की जमानत याचिका शुक्रवार को बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने खारिज कर दी। निचली अदालत से अर्जी खारिज होने के बाद उसने 11 मार्च को बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच में जमानत के लिए अर्जी दी थी। रईस का पूरा नाम रईस अहमद शेख असदुल्ला शेख है और वह जम्मू-कश्मीर के पुलवामा के पोरा का रहने वाला है। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के लिए काम करने वाले रईस पर आरोप है कि वह देश में कोरोना महामारी के दौरान नागपुर के महल इलाके में स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय की रेकी कर रहा था। इसके अलावा रेशमबाग इलाके में स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर की भी उसने रेकी की थी। महाराष्ट्र एटीएस ने उसे 15 सितंबर, 2021 को गिरफ्तार किया था। तब से जैश-ए-मोहम्मद का यह आतंकी नागपुर की सेंट्रल जेल में बंद है। रईस ने निचली अदालत में जमानत के लिए अर्जी दी थी, लेकिन अर्जी खारिज होने के बाद उसने 11 मार्च को बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच में जमानत के लिए अर्जी दी थी। इस मामले में शुक्रवार को हाई कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान आतंकी के वकील निहाल सिंह राठौड़ ने न्यायालय को बताया कि यह साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है कि उसने किसी भी गैरकानूनी गतिविधि को अंजाम देने के लिए उपरोक्त स्थानों की टोह ली थी।

दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश के आवास से 'नकदी बरामदगी' का मुद्दा राज्यसभा में गूंजा

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश के आवास से कथित रूप से नकदी बरामद होने का मुद्दा आज राज्यसभा में गूंजा। सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन को आश्वस्त किया कि इस मामले को सुलझाने के लिए एक संरचित चर्चा तंत्र की तलाश की जाएगी।

कांग्रेस के जयराम रमेश ने आज सुबह सदन की बैठक शुरू होते ही इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि आज सुबह ही मैंने दिल्ली हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश के आवास पर भारी मात्रा में नकदी मिलने के बारे में समाचार पत्र में पढ़ा है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले 50 सांसदों ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों के सम्बन्ध में एक नोटिस भी सौंपा था। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि सभापति खुद कई बार न्यायिक जवाबदेही की आवश्यकता की बातें कह चुके हैं और उन्होंने इस मुद्दे पर नेता सदन को निर्देश भी दिया था। जयराम रमेश ने सभापति से अनुरोध किया कि वो न्यायिक जवाबदेही बढ़ाने के लिए सरकार को प्रस्ताव लाने का निर्देश दें।

इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि यह थोड़ी हैरानी वाली बात है कि नकदी मिलने वाली घटना हुई लेकिन यह तुरंत प्रकाश में नहीं आई। अगर इसी तरह की घटना किसी नौकरशाह, उद्योगपति या राजनेता के साथ हुई होती तो वह तुरंत लक्षित हो जाता। उन्होंने कहा कि इस समय नेता सदन यहां मौजूद नहीं हैं। हम नेता सदन और नेता विपक्ष तथा लब्ध प्रतिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा कर संरचनात्मक नतीजे की ओर बढ़ेंगे। मुझे यकीन है कि पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी प्रणालीगत प्रतिक्रिया जल्द ही सामने आएगी।

महाभियोग वाले मामले पर सभापति ने कहा कि उन्हें राज्यसभा के 55 सदस्यों का हस्ताक्षरयुक्त एक ज्ञापन प्राप्त हुआ है। उस पर हस्ताक्षर करने वालों से सत्यापन करवाने के लिए उचित कदम उठाए गए हैं। कई सदस्यों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, लेकिन कइयों ने उनके हस्ताक्षर होने से इनकार किया है। सदस्यों को दूसरी बार ईमेल भेजे गए हैं, इसलिए वो जल्द अपने जवाब भेज दें। उन्होंने कहा कि सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद हस्ताक्षर करने वाले सदस्यों की संख्या 50 से अधिक होगी तो तो मेरे स्तर पर इस प्रक्रिया में एक क्षण का विलंब नहीं होगा।

उधर, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दिल्ली हाई कोर्ट के जिस न्यायाधीश के आवास पर कथित तौर पर यह नकदी मिली है, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उन्हें उनके पैतृक इलाहाबाद हाई कोर्ट में स्थानांतरित करने का फैसला किया है।

राष्ट्रपति भवन में पर्पल फेस्ट का आयोजन

आलोक पाण्डेय

नई दिल्ली। दिव्यांगजनों की प्रतिभा, उपलब्धियों और आकांक्षाओं का जश्न मनाने के लिए शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान में एक दिवसीय ह्यपर्पल फेस्ट का आयोजन किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने महोत्सव का दौरा किया और दिव्यांगजनों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को देखा।

इस मौके पर राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि वंचित वर्ग के प्रति संवेदनशीलता किसी देश या समाज की प्रतिष्ठा निर्धारित करती है। करुणा, समावेशिता और सद्भावना हमारी संस्कृति और सभ्यता के मूल्य रहे हैं। हमारे संविधान की प्रस्तावना में सामाजिक न्याय, समान दर्जे और व्यक्ति की गरिमा की बात कही गई है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि भारत सरकार सुगम्य भारत अभियान के माध्यम से दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने और उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है।

आगंतुकों के लिए दिन भर विभिन्न गतिविधियां जैसे खेल, डिजिटल समावेशन और उद्यमिता पर कार्यशालाएं, एबिलिम्पिक्स, रचनात्मक कार्यक्रम और सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित पर्पल फेस्ट का उद्देश्य विभिन्न दिव्यांगताओं और लोगों के जीवन पर उनके प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में दिव्यांग व्यक्तियों की समझ, स्वीकृति और समावेश को बढ़ावा देना है।

Page-02_Layout 1 3/22/2025 1:26 AM Page 1

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने पीसी एंड पीएनडीटी ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया, भ्रूण जांच की होगी सख्त निगरानी।

शहीदों से प्रेरणा लेकर युवा शक्ति विकसित भारत का निर्माण कर सकती है : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा है कि शहीदों से प्रेरणा लेकर युवा शक्ति ही एक विकसित भारत का निर्माण कर सकती है।वह दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद सुखदेव कॉलेज में शुक्रवार को 'शहीदों की विरासत, युवा शक्ति का प्रभाव-विकसित भारत का निर्माण' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे।

विजेंद्र गुप्ता ने शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के बलिदान को याद करते हुए कहा कि इन महान स्वतंत्रता सेनानियों ने मात्र 22-23 वर्ष की आयु में देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। गुप्ता ने कहा कि यह हमेशा याद रखें कि हम आज खुलकर सांस ले रहे हैं, क्योंकि हमारे शहीदों ने अपने प्राणों की कुबार्नी दी। उनका बलिदान केवल इतिहास में पढ़ने के लिए नहीं है, बल्कि यह हमारे लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत है।

उन्होंने शहीद सुखदेव कॉलेज की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को संजोने और उनकी कुर्बानियों को उजागर करने का कार्य भी करता है। गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा शहीदों की विरासत को संरक्षित करने के लिए किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, राष्ट्रीय पुलिस स्मारक, जलियांवाला बाग स्मारक और अंडमान निकोबार की सेल्यूलर जेल जैसे स्मारकों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ये स्मारक न केवल शहीदों के प्रति हमारी श्रद्धा को दशार्ते हैं बल्कि नई पीढ़ियों को उनके संघर्ष से प्रेरित करते हैं।

गुप्ता ने भारत के आर्थिक और तकनीकी विकास पर चर्चा करते हुए बताया कि देश अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में स्टार्टअप्स की संख्या 1.6 लाख से अधिक हो गई है, जो लगभग 18 लाख प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान कर चुके हैं। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि एक नए भारत की कहानी है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भारत सरकार ने इंडिया एआई मिशन शुरू किया है, जिसमें 10,300 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। उन्होंने कहा कि आज भारत वैश्विक स्तर पर एआई कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में अग्रणी बन चुका है, और हमारे युवा इस क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं

गुप्ता ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपने सपनों को साकार करें और देश को एक मजबूत और विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान दें। युवाओं को संदेश देते हुए गुप्ता ने कहा कि शहीदों से प्रेरणा लेकर युवा शक्ति ही एक विकसित भारत का निर्माण कर सकती है। अपने आप पर विश्वास रखें और अपने आदर्शों को अपनाते हुए आगे बढ़ें।

दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने कार्यकारी अभियंता के निलंबन के आदेश दिए

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने पूर्वी दिल्ली में तैनात एक कार्यकारी अभियंता के निलंबन के आदेश दिए हैं। यह कार्रवाई उस समय हुई जब मंत्री ने निरीक्षण के दौरान एक नाले की बदतर स्थिति पाई।

मंत्री ने पटपड़गंज क्षेत्र में सड़कों का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने पाया कि एनएच-9 (सर्विस लेन), जिसे एनएच-24 के नाम से भी जाना जाता है, के किनारे बने नाले बुरी हालत में थे और कोई सफाई या रखरखाव कार्य नहीं किया जा रहा था।

मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि पीडब्ल्यूडी की जिम्मेदारी है कि वह इन नालों की सफाई और रखरखाव करे लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। मैंने इस लापरवाही के लिए संबंधित अभियंता के निलंबन का आदेश दिया है। लापरवाही किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले 10 वर्षों में अधिकारी ह्यमोटी चमड़ी के हो गए हैं और अपनी जिम्मेदारियों के प्रति लापरवाह हो चुके हैं। अब सख्त निगरानी और जवाबदेही लागू की जाएगी।

मंत्री ने न्यू अशोक नगर मेट्रो स्टेशन से होते हुए त्रिलोकपुरी के चीला गांव और पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्र के अन्य इलाकों में सड़कों और नालों का निरीक्षण किया। उन्होंने पाया कि नाले खराब स्थिति में हैं, जिससे स्थानीय लोगों को असुविधा हो रही है। सिंह ने अधिकारियों को तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने और जलभराव व सफाई की समस्या को हल करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे बुनियादी सुविधाओं का ध्यान रखें लेकिन जमीनी हालात बेहद खराब हैं। दिल्ली के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित निरीक्षण और त्वरित कार्रवाई जरूरी है।

मंत्री सिंह ने सभी वरिष्ठ पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि जो अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली को विश्वस्तरीय सड़कों और बुनियादी ढांचे की जरूरत है। अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी, जो इसका पालन नहीं करेंगे, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा।

अनिवार्य दैनिक निरीक्षण और सख्त निगरानी : अब पीडब्ल्यूडी ने सभी फील्ड अधिकारियों, जिसमें जूनियर इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और कार्यकारी अभियंता शामिल हैं, उनके लिए यह अनिवार्य कर दिया है कि वे रोजाना सड़क निरीक्षण करें और पीडब्ल्यूडी ई-मानिटरिंग ऐप पर रिपोर्ट के साथ तस्वीरें अपलोड करें। विभाग ने यह पाया है कि अधिकारी सड़कों में गड्ढों, टूटे फुटपाथों, अतिक्रमण और अन्य खामियों की रिपोर्टिंग नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा, पीडब्ल्यूडी इंजीनियरों द्वारा अनिवार्य ई-मानिटरिंग सिस्टम का उपयोग नहीं किया जा रहा है। यह लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नए नियम : रोजाना सुबह 9:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक, शनिवार सहित, फील्ड निरीक्षण अनिवार्य, निरीक्षण रिपोर्ट को तस्वीरों के साथ पीडब्ल्यूडी ई-मानिटरिंग ऐप पर अपलोड करना जरूरी है और नियमों का पालन नहीं करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। मंत्री ने साफ कर दिया है कि यह सिर्फ शुरूआत है। अब पीडब्ल्यूडी पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम करेगा, अन्यथा सख्त कार्रवाई झेलने के लिए तैयार रहे।

चोरी के रुपये से खरीदे महंगे फोन व जूते, धरे गए

नई दिल्ली, (हि.स.)। दक्षिण पश्चिम जिले के मुनिरिका इलाके में एक घर से लाखों की नकदी व सोने के आभूषण चोरी के आरोपित को किशनगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान अभिषेक कुमार के रूप में हुई है। उसने चोरी के रुपयों से दो महंगे मोबाइल फोन बैग तथा जूते खरीदे थे। अचानक रहन सहन में आए बदलाव ने उसे पुलिस के हत्थे चढ़ा दिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी के 1.58 लाख रुपये तथा सोने का मंगलसूत्र और चोरी के रुपयों से खरीदा गया सामान बरामद किया है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चोधरी ने शुक्रवार को बताया कि 15 मार्च को मुनिरिका गांव में रहने वाले लक्ष्मण प्रसाद ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने छानबीन शुरू की। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसके घर से 8 लाख रुपये तथा जूलरी चोरी हुई है।

किशनगढ़ थाने के एसएचओ श्रीनिवास की देखरेख में गठित टीम ने जांच शुरू की। पुलिस ने इलाके में मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया। इस दौरान पता चला कि मुनिरिका में ही रहने वाले अभिषेक के रहन सहन में अचानक से बदलाव आ गया है। उसने हाल ही में दो महंगे मोबाइल फोन खरीदे हैं। पुलिस टीम ने आरोपित को दबोचकर पूछताछ की तो उसने चोरी करना स्वीकार कर लिया।

आज का राशिफल

मेष राशि-क्लेश व अशांति, परिश्रम करने पर भी आरोप-क्रोध होगा, रुके कार्य का ध्यान रखें।

वृष राशि-अधिकारियों का मेल-मिलाप फलप्रद रहे, कार्य-कुशलता से संतोष होगा, ध्यान रखें।

मिथुन राशि-कार्यकुशलता से संतोष व बेचैनी, कुछ सफलता के साधन अवश्य होंगे, ध्यान रखें।

कर्क राशि-कार्यकुशलता से संतोष, परेशानी व चिन्ताजनक स्थिति बने, कार्य अवरोध, विवाद होगा।

सिंह राशि-स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति तथा कार्यगति व्यर्थ बन जायेगी।

कन्या राशि-आर्थिक योजना पूर्ण हो, समय पर सोचे कार्य अवश्य ही बनेंगे, समय का ध्यान रखें।

तुला राशि-सामर्थ्य होते हुए भी कार्य विफलत्व बना रहेगा, कार्य की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक राशि-कुटुम्ब की समस्याओं से क्लेश तथा धन-हानि होगी, मानसिक बेचैनी।

धनु राशि-आरोप, क्लेश तथा अशांति से बचियेगा, भावपूर्ण वार्ता अवश्य ही बनेगी।

मकर राशि-योजनाएं फलीभूत हों, सफलता के साधन जुटायें, लाभ अवश्य ही होगा।

कुंभ राशि-परिश्रम करने पर सफलता न मिले, कार्य में विरोध बाधायें बनेंगी।

मीन राशि-धन लाभ, सफलता का हर्ष, प्रभुत्व वृद्धि तथा सामाजिक कार्य बने जायेंगे।

-अम्बुजा तिवारी

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे तीन बांग्लादेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने देश में अवैध रूप से रह रहे तीन बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही देश में रुकने के लिए मदद करने वाले इनके एक साथी को भी गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम ने शुक्रवार को बताया कि पकड़े गए आरोपितों की पहचान जिला सुनामगंज, डिवीजन सिलहट, बांग्लादेश निवासी मोहम्मद इकबाल हुसैन उर्फ फरहान खान (44), रजीब मियां उर्फ राहुल बिस्वास उर्फ अमित यादव, मोहम्मद मोमिन बादशाह उर्फ मोहम्मद मोमिन हुसैन उर्फ जीतेंद्र यादव, और ओखला फेज-2 निवासी अग्रसेन कुमार के रूप में हुई है। पकड़े गये मोहम्मद इकबाल के पास पुलिस ने फरहान खान के नाम से एक भारतीय पासपोर्ट, मोहम्मद इकबाल हुसैन के नाम से बांग्लादेशी पासपोर्ट की प्रति, फरहान खान के नाम से आधार कार्ड और भारतीय ड्राइविंग लाइसेंस के अलावा जीतेंद्र यादव और अमित यादव के नाम से दो भारतीय आधार कार्ड और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इसी क्रम में रजीब मियां के पास से राहुल बिस्वास निवासी एनएफसी, दिल्ली के नाम से आधार और भारतीय मतदाता पहचान पत्र और एक मोबाइल फोन, मोहम्मद मोमिन बादशाह के पास से मोहम्मद मोमिन हुसैन निवासी जामिया नगर के नाम से आधार और भारतीय मतदाता पहचान पत्र/पैन कार्ड तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पकड़ा गया चौथा आरोपित अग्रसेन कुमार ने फर्जी आधार कार्ड की मदद से बैंक खाता खुलवाया तथा उसने सरकारी तंत्र में पूरी तरह से गलत जानकारी प्रस्तुत करके अवैध बांग्लादेशी अप्रवासियों के लिए आधार कार्ड बनवाए।डीसीपी के अनुसार क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कई जगह छापे मारे और नेहरू प्लेस से आरोपित मोहम्मद इकबाल और बदरपुर बॉर्डर से रजीब मियां उर्फ राहुल और मोहम्मद मोमिन को गिरफ्तार किया।जांच में पता चला है कि 1995 में बांग्लादेश में स्कूल छोड़ने के बाद आरोपित मोहम्मद इकबाल हुसैन ने 1996 से 2004 तक चावल के व्यापार में काम किया। 2004 में वह दो साल के लिए वर्क परमिट पर इंग्लैंड गया। यहां उसने डिलीवरी सेवाओं और रेस्तरां में काम किया। वह 2009 तक इंग्लैंड में ही रहा और फिर बांग्लादेश लौट गया। वर्ष 2016 तक सुनामगंज में एक किराने की दुकान चलाई। इस अवधि के दौरान उसने बांग्लादेश में शादी कर ली। उसकी एक बेटी है। उसकी पत्नी और बेटी दोनों वर्तमान में बांग्लादेश में रह रही हैं। वर्ष 2017 में वह अवैध रूप से असम सीमा के माध्यम से भारत में प्रवेश किया और असम से ट्रेन द्वारा दिल्ली आया। दिल्ली में वह जामिया नगर में रहने लगा। इस बीच उसने कपड़े का कारोबार शुरू किया। वर्ष 2018 में उसने मैट्रिमोनियल प्लेटफॉर्म के जरिए मध्य प्रदेश की एक महिला से दूसरी शादी कर ली। बिना उसे बताए कि वह बांग्लादेशी नागरिक है। इस शादी से उसकी दो बेटियां हैं। 2022 से वह अपनी भारतीय पत्नी और बच्चों के साथ मालवीय नगर के पंचशील विहार में रहने आ गया। फिलहाल वह साप्ताहिक बाजारों में कपड़े बेचने का काम कर रहा था। इस दौरान उसने लाइफस्टाइल मॉल में टिकटिंग की दुकान भी किराए पर ले ली। अपने कपड़े के कारोबार को सुचारू रूप से चलाने के लिए उसे श्रमिकों की जरूरत थी। इसलिए उसने एनसीआर में स्थित मानव तस्करों की मदद से कई बांग्लादेशी नागरिकों को असम सीमा के जरिए अवैध रूप से दिल्ली बुलाया। 2020 में उसे क्राइम ब्रांच ने अवैध सिम कार्ड बेचने के आरोप में गिरफ्तार भी किया था। उसकी गिरफ्तारी के संबंध में संबंधित अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे तीन बांग्लादेशी गिरफ्तार।

सूडोकु नवताल- 7377

कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7376 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

दैनिक पंचांग

22 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	07.14 बजे से
चंद्र	धनु में	वृष	08.54 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.52 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	13.06 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	15.22 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.34 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	19.45 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.59 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	00.15 बजे से
		मकर	02.20 बजे से
		कुंभ	04.07 बजे से
		मीन	05.40 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2025 वर्ष का 81 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि अष्टमी 05.24 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** मूल 03.24 बजे रात्र को समाप्त। **योग** व्यतीपात 18.36 बजे को समाप्त। **करण** बालव 16.59 बजे तदनन्तर कौलव 05.24 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.0 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 00° 38'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872291
जूलियन दिन 2460756.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान **तारीख** 21
विशेष बासौदा, शीतला अष्टमी, कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से 07.23	बजे तक	लाभ	05.37	से 07.10	बजे तक
शुभ	07.23	से 08.51	बजे तक	उद्वेग	07.10	से 08.42	बजे तक
रोग	08.51	से 10.19	बजे तक	शुभ	08.42	से 10.14	बजे तक
उद्वेग	10.19	से 11.46	बजे तक	अमृत	10.14	से 11.47	बजे तक
चर	11.46	से 01.14	बजे तक	चर	11.47	से 01.19	बजे तक
लाभ	01.14	से 02.42	बजे तक	रोग	01.19	से 02.51	बजे तक
अमृत	02.42	से 04.10	बजे तक	काल	02.51	से 04.23	बजे तक
काल	04.10	से 05.37	बजे तक	लाभ	04.23	से 05.56	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8439

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	■	8	9		10	■	
11		12	■		■	13		
■	■	14		■	15		■	■
16			■	17	■	18		19
	■	20	21		22	■	■	
23	24	■		■		■	25	
■	26			■	27			■

बाएँ से दाएँ

1. कथा, गाथा-3
3. भगौना-3
5. पुष्पहार-2
6. वायदा, कसम-2
8. अभिष्ट इच्छापूर्ति, वर-4
11. योग्य, उपयुक्त-3
13. चिंतन, सोच-विचार-3
14. ताश का एक खेल-2
15. संजय दत्त की पहली फिल्म-2
16. चेहरा, शक्ल-3
18. चाकू, खंजर-3
20. उकसाना, चकमा देना -4
23. लक्ष, सौ हजार-2
25. ईश्वर, भगवान-2
26. विदा, गमन-3
27. लेखनी, पेन-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन-2
2. शांति, वीराना-3
3. चिलमन, ओट, घूंघट-3
4. ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2
5. माजरा, मुद्दा-3
7. आंगन, बरामदा-3
9. भागना (अंग्रेजी-2)
10. चटपटा, क्षारीय-4
12. कारनामा, करिश्मा-4
16. अच्छे सुर का ज्ञाता-3
17. मालिक, स्वामी-2
19. प्रेम प्रतिद्वंदी(उर्दू-3)
21. बेदखल करना-3
22. फिजूल, व्यर्थ-2
24. गधा, गर्दभ -2
25. एक प्रकार की विदेशी शराब-2

शब्द पहेली -8438 का हल

■	ह	ल	क	■	क	ल	र	व
क	द	■	हा	ज	मा	■	■	र
ह	■	ना	नी	■	ल	व	■	दा
र	च	ना	का	र	■	सा	ल	न
■	र	■	र	■	स	■	ह	■
र	स	द	■	ता	ली	ब	जा	ना
वा	■	ल	क	■	के	ला	■	ट
य	■	■	स	ज	दा	■	ना	क
त	ल	घ	र	■	र	ह	म	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

Page-03_Layout 1 3/22/2025 2:30 AM Page 1

देहरादून। राज्य सरकार के तीन वर्ष पूरे होने पर बहुउद्देशीय शिविरों का बड़े स्तर पर आयोजन के निर्देश।

तिरुमाला मंदिर में केवल हिंदुओं को ही काम पर रखें : मुख्यमंत्री

तिरुमाला, (हि.स.)। आंध्र प्रदेश के एन मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने कहा कि तिरुपति बालाजी मंदिर की सात पहाड़ियां वेंकटेश्वर स्वामी के स्वामित्व में हैं और इन पहाड़ियों पर कोई भी अपवित्र कार्य नहीं होने देंगे। इन पहाड़ियों के आसपास कहीं भी व्यावसायीकरण नहीं होने दिया जाएगा और तिरुमाला में सिर्फ हिन्दू ही मंदिर के प्रबंधन का काम करेंगे।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने तिरुमाला में भगवान बालाजी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री ने यहां अपने पोता नारा देवांश का जन्मदिन मनाया। परिवार के सदस्यों के साथ भगवान वेंकटेश्वर की सेवा में भी भाग लिया। मुख्यमंत्री ने मंदिर के प्रशासन के साथ एक बैठक कर सुविधाओं की समीक्षा की। इससे पहले मुख्यमंत्री चंद्रबाबू का यहां पहुंचने पर तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के अध्यक्ष बीआर नायडू ने पुजारियों व वेद पंडितों के साथ स्वागत किया। मुख्यमंत्री के परिजनों ने तारिगोंडा वेंगाम्बा सत्रम में अपने पोते देवांश के नाम पर अन्नदान का आयोजन किया। चंद्रबाबू और उनके परिजनों ने भक्तों को प्रसाद परोसा। मुख्यमंत्री ने एक दिन के अन्नदान का खर्चा के लिए लगभग 44 लाख रुपये दान दिया है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री नायडू ने पत्रकार वार्ता में कहा कि भक्तों को प्रसाद परोसने की संतुष्टि अमूल्य है। सभी को समाज हित के लिए कार्य करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि तिरुपति बालाजी मंदिर की सात पहाड़ियां.. वेंकटेश्वर स्वामी के स्वामित्व में हैं और इन सात पहाड़ियों पर कोई भी अपवित्र कार्य नहीं होने देंगे। मैं सदैव जनहित के लिए कार्य करता हूं। हम तिरुमाला में स्वच्छता को पहली प्राथमिकता दे रहे हैं। राज्य के पुनर्निर्माण की शुरूआत यहीं से करने का संकल्प लिया है।

नायडू ने कहा कि मंदिर की पवित्रता को ध्यान में रखते पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी सरकार की ओर से मुमताज होटल के लिए दी गई अनुमतियां रद्द दी हैं। उन्होंने कहा कि सात पहाड़ियों के आसपास कहीं भी व्यावसायीकरण नहीं होना चाहिए। हमारा उद्देश्य वेंकटेश्वर स्वामी की संपत्तियों को संरक्षित करना है। उन्होंने कहा कि टीटीडी बोर्ड और अधिकारियों को तिरुमाला पवित्रा की सुरक्षा के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे देशभर में श्रीवारी की संपत्तियों की रक्षा करेंगे। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि तिरुमाला मंदिर में केवल हिंदुओं को ही काम पर रखा जाना चाहिए। अगर दूसरे धर्मों के लोग वहां काम कर रहे हैं तो उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाए बिना, उन्हें दूसरे स्थानों पर बसाया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश की सभी राज्यों की राजधानियों के अलावा विदेशों में भी श्रीबालाजी मंदिर बनाए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में इनामी महिला सहित चार नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा, (हि.स.)। शुक्रवार को सुकमा में दो लाख की एक इनामी महिला नक्सली के साथ चार नक्सलियों ने पुलिस एवं सीआरपीएफ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया है।

छत्तीसगढ़ शासन की ह्यह्यछत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति एवं सुकमा पुलिस द्वारा चलाये जा रहे ह्यह्यनियद नेल्ला नार योजना का बड़े स्तर पर प्रभाव देखने को मिल रहा है। पुलिस अधिकारियों ने जानकारी दी है कि अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव व नक्सलियों के विचारधारा एवं उनके अत्याचार तथा स्थानीय आदिवासियों पर होने वाले हिंसा से तंग आकर उक्त नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

आत्मसमर्पित नक्सलियों में केएएमएस अध्यक्ष, दुलेड़ आरपीसी, 35 वर्षीया दो लाख की इनामी महिला नक्सली कलमू आयते पति भीमा उर्फ कुहराम, निवासी ताड़मेटला गोंण्डेपारा थाना चिंतागुफा शामिल है। साथ ही मिलिशिया सदस्य मोरपल्ली आरपीसी 27 वर्षीय नुप्पो रघु, निवासी मोरपल्ली इत्तापारा थाना चिंतालनार, 22 वर्षीय मड़कम कोना, निवासी कंगालतोंग थाना भेजी तथा 27 वर्षीय सोड़ी लच्छा (मिलिशिया सदस्य, मोरपल्ली आरपीसी) निवासी मोरपल्ली इत्तापारा थाना चिंतालनार ने भी आत्मसमर्पण किया है। सभी जिला सुकमा के निवासी हैं।

इन सभी नक्सलियों ने संगठन को छोड़कर समाज की मुख्यधारा में जुड़ने के उद्देश्य से 21 मार्च को पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला सुकमा में निरीक्षक रोशन सिंह राजपूत, प्रभारी नक्सल सेल, निरीक्षक अर्पण गोगोई, 50 वाहिनी सीआरपीएफ, निरीक्षक सुजीत कुमार, 223 वाहिनी सीआरपीएफ के समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण किया है।

नक्सली कलमू आयते को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित करने में 223 वाहिनी सीआरपीएफ, एवं 03 पुरुष नक्सलियों को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में 151, 50, 218, वाहिनी सीआरपीएफ, 204 वाहिनी कोबरा एवं रेंज फिल्ड टीम कोन्टा के कार्मिकों का विशेष प्रयास रहा।

उपरोक्त सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को ह्यह्यछत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति के तहत सहायता राशि एवं अन्य सुविधा प्रदान की जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने सांसदों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की दी सलाह

नई दिल्ली, (हि.स.)। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को संसद सदस्यों से एक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां नेताओं को भी घेर रही हैं।

स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि जीवनशैली में बदलाव के चलते आज हम कई तरह की गैर- संचारी रोगों का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के अनुसार गैर-संचारी रोगों की घटना 1990 में 37 प्रतिशत से बढ़कर 2016 में 61.8 प्रतिशत हो गई है। यह एक गंभीर चिंता है। जीवनशैली से संबंधित बीमारियां खाने की आदतों और दैनिक दिनचर्या से जुड़ी हैं। इसे सामूहिक रूप से संबोधित करने की आवश्यकता है। इसी दौरान उन्होंने कहा कि हममें से कई सदस्य भी मोटापे का शिकार हैं। ऐसे में जरूरी है कि सभी सांसद भी साल में एक बार अपना मेडिकल चेक-अप करायें। यही सुझाव लोकसभा अध्यक्ष ने भी सभी सदस्यों को दिया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी लगातार जीवनशैली में बदलाव के चलते बढ़ते रोगों का कई माध्यमों से उल्लेख कर लोगों को इस बारे में जागरूक कर चुके हैं।

आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों ने लगातार उभरते आतंकवाद पर चिंता जताई

नई दिल्ली, (हि.स.)। आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में आतंकवाद और उग्रवाद से निपटने के लिए व्यापक रणनीति विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। बैठक का उद्देश्य आसियान देशों के रक्षा बलों और उसके संवाद भागीदारों के जमीनी अनुभव को साझा करना था। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि आतंकवाद लगातार उभरती हुई चुनौती बना हुआ है, जिसके खतरे लगातार सीमाओं को पार कर रहे हैं।

आतंकवाद के मुद्दे पर आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस (एडीएमएम-प्लस) विशेषज्ञ कार्य समूह (सीटी पर ईडब्ल्यूजी) की 14वीं बैठक 19 से 20 मार्च तक नई दिल्ली में हुई। बैठक में आसियान सचिवालय, आसियान देशों-लाओ पीडीआर, मलेशिया, इंडोनेशिया, म्यांमार, सिंगापुर, थाईलैंड, मलेशिया, फिलीपींस और वियतनाम, एडीएमएम-प्लस सदस्य राज्यों में चीन, अमेरिका, रूस, ऑस्ट्रेलिया, जापान और कोरिया गणराज्य के प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया। बैठक के दौरान भारत और मलेशिया ने 2024-27 के लिए कार्य योजना प्रस्तुत की। इस दौरान 2026 में मलेशिया में विशेषज्ञ कार्य समूह के लिए टेबल-टॉप अभ्यास और 2027 में भारत में फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास आयोजित करने का ऐलान किया गया।

दो दिवसीय बैठक के दौरान आतंकवाद और उग्रवाद के उभरते खतरे से निपटने के लिए एक मजबूत और व्यापक रणनीति विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए चर्चा की गई। बैठक का उद्देश्य आसियान देशों के रक्षा बलों और उसके संवाद भागीदारों के जमीनी अनुभव को साझा करना था। बैठक ने वर्तमान चक्र के लिए गतिविधियों, अभ्यासों, बैठकों और कार्यशालाओं की नींव रखी। बैठक में भाग लेने वाले देशों और आसियान सचिवालय के प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों ने क्षेत्र में आतंकवाद का मुकाबला करने के प्रयासों पर अपने विचार रखे। सांस्कृतिक दौरे के हिस्से के रूप में प्रतिनिधियों ने आगरा का भी दौरा किया।

उद्घाटन सत्र में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने मुख्य भाषण दिया और उद्घाटन समारोह के दौरान भाग लेने वाले प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि आतंकवाद लगातार उभरती हुई चुनौती बना हुआ है, जिसके खतरे लगातार सीमाओं को पार कर रहे हैं। उन्होंने क्षेत्र में आतंकवाद का मुकाबला करने की दिशा में भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला। रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव अंतरराष्ट्रीय सहयोग (आईसी) अमिताभ प्रसाद, भारतीय सेना के अतिरिक्त महानिदेशक (आईसी), विदेश मंत्रालय और भारतीय सेना के आतंकवाद-रोधी प्रभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

भाषा को लेकर विभाजन के खिलाफ सामाजिक संगठनों को आगे आना चाहिए : संघ

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मानना है कि भाषा के नाम पर देश में चल रही विभाजन की राजनीति को काटने के लिए सामाजिक संगठनों को आगे आना चाहिए। वहीं परिसीमन के मुद्दे पर उत्तर भारत बनाम दक्षिण भारत के विषय पर संघ ने कहा है कि गृहमंत्री इस संबंध में आश्वासन दे चुके हैं कि लोकसभा सीटों का अनुपात पहले के समान ही रहेगा।

संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की आज से कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में शुरू तीन दिवसीय बैठक में संघ के कार्य विस्तार और दृढ़ीकरण का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। बैठक (21-23 मार्च) का शुभारम्भ आज प्रातः 9:00 बजे सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन कर किया। बैठक में लगभग 1450 प्रतिनिधि उपस्थित हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह सीआर मुकुंद ने बेंगलुरु में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि संघ मणिपुर में मैतई और कुकी दोनों समुदायों के बीच कई गतिविधियां चलाता है और इनके माध्यम से दोनों जनजातीय समूह में शांति के प्रयास के लिए कार्यरत है। उन्होंने कहा कि मणिपुर की स्थिति में सुधार हो रहा है लेकिन अभी भी काफी समय लगेगा। भाषा के नाम पर हो रही राजनीति और नई शिक्षा नीति में तीन भाषा फामूर्ले पर संघ ने कहा कि संघ मातृ भाषा को बढ़ावा देने और उसमें शिक्षा दिए जाने का पक्षधर है। साथ ही वह स्वयंसेवकों और समाज को अन्य भारतीय भाषाओं को भी सीखने के लिए प्रेरित करता है।

संघ संगठन क्षमता की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि देशभर में एक करोड़ से अधिक स्वयंसेवक हैं और इनमें से करीब 6 लाख प्रतिदिन शाखा जाते हैं। इसके अतिरिक्त भी कई स्वयंसेवक विविध क्षेत्रों में संघ प्रेरित संगठनों में कार्यरत हैं।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में देश भर के 73,646 स्थान पर संघ की गतिविधियां चल रही हैं। इनमें से 51,710 स्थान पर दैनिक गतिविधियां और 21,936 स्थान पर साप्ताहिक गतिविधियां चल रही हैं। 83,139 शाखाएं देश भर में चल रही हैं। पिछले साल के मुकाबले लगभग 10 हजार शाखाएं बढ़ी हैं।

उन्होंने बताया कि पिछले तीन सालों में संघ ने ग्रामीण क्षेत्र में विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया है। कुल 58,981 ग्रामीण मंडलों में से 30,770 स्थान पर शाखाएं लग रही हैं और पिछले साल के मुकाबले इसमें 3 हजार की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि सरसंघचालक के आह्वान पर दो साल का समय देने वाले 2,453 लोगों ने अपना घर छोड़ा है।

संघ में नए कार्यकर्ताओं के जुड़ने के बारे में उन्होंने बताया कि हर वर्ष 14 से 25 वायु वर्ग के नए स्वयंसेवक जोड़ रहे हैं। पिछले वर्ष 4450 प्रारंभिक वर्ग लगाए गए हैं। इनमें 2.23 लाख ने भागीदारी की है। वहीं दूसरी ओर जॉइन आरएसएस के माध्यम से भी लोग संघ से जुड़ रहे हैं। अब तक का 12 लाख से अधिक लोग इसके माध्यम से जुड़े हैं जिनमें 46000 महिलाएं हैं।

पटना। ईद-उल-फितर त्यौहार से पहले बाजार में मुस्लिम महिलाएं खरीदारी करते।

पटियाला में पंजाब पुलिस द्वारा कर्नल पुष्पिंदर बाठ और उनके 24 वर्षीय बेटे अंगद सिंह की पिटाई के विरोध में संसद भवन परिसर में पंजाब के कांग्रेस सांसदों ने किया प्रदर्शन।

कावेरी नदी में प्रदूषण व तटों पर अतिक्रमण रोकने को गठित होगी टीम : डीके शिवकुमार

कोडगु (भागमंडला), (हि.स.)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को जीवनदायिनी व दक्षिण भारत की जीवनरेखा कावेरी नदी के उद्गम स्थल यहां तालाकावेरी में पवित्र स्नान किया और देश के सभी लोगों की भलाई के लिए प्रार्थना की। उपमुख्यमंत्री ने कावेरी नदी में प्रदूषण और अतिक्रमण रोकने के लिए लोगों को जागरूक करने की जरूरत बताई। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार शाम को बेंगलुरु में होने वाली कावेरी आरती से पहले कोडगु जिले के पश्चिमी घाट की ब्रह्मगिरी पर्वतमाला में स्थित तालकावेरी में पूजा-अर्चना की। तालकावेरी में स्नान व पूजा अर्चना के बाद उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने यहां पत्रकारों से वार्ता की। कावेरी नदी में प्रदूषण और अतिक्रमण संबंधी एक सवाल के जवाब में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कावेरी नदी के प्रदूषण और नदी तटों पर अतिक्रमण को रोकने के लिए एक टीम गठित की जाएगी। इसकी भूमि, जल, इतिहास और विरासत को बचाने के लिए जो भी करना होगा, करेंगे। सबके सुझावों को स्वीकार करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व जल दिवस के तहत एक सप्ताह तक जल संरक्षण अभियान चलाया जाएगा। कावेरी आरती का उद्देश्य जल का दुरुपयोग रोकने और इसका बुद्धिमानी से उपयोग करने के लिए जागरुकता पैदा की जाएगी।उन्होंने कहा कि नदी के तट पर कावेरी आरती आयोजन के लिए राशि पहले ही आवंटित कर दी गई है। मुजराई, सिंचाई, कन्नड़ और संस्कृति विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सुनिश्चित करें कि कोडगु के कलाकार भी इस आरती आयोजन में भाग लें।

उन्होंने कहा कि पिछले साल की तरह इस साल भी अच्छी बारिश हो और लोगों का जीवन बेहतर हो, इसके लिए प्रार्थना करता हूं। लोग पानी का दुरुपयोग न करें, इसके लिए शपथ दिलाई जाएगी। जागरुकता के सांकी झील पर कावेरी आरती का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि बेंगलुरू को कावेरी पेयजल आपूर्ति का 5वां चरण अब लागू हो गया है। यह सब कावेरी नदी की बदौलत संभव हो पाया है। मैंने केआरएस बाग के समर्पण के दौरान कावेरी आरती करने का वादा किया था और उसके लिए भी तैयारियां चल रही हैं। पत्रकार वार्ता के दौरान विधायक पोन्नणा, मंथर गौड़ा, बीडब्ल्यूएसएसबी के अध्यक्ष राम प्रसाद मनोहर और अन्य मौजूद रहे। उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि संसदीय क्षेत्रों के पुनःसीमांकन के विरोध में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन की बुलाई बैठक मेंशामिल होने के लिए जा रहा हूं। इस बैठक में उनके साथ तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी होंगे। यह बैठक शनिवार को चेन्नई में होगी। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार के प्रस्तावित परिसीमन पर विचार-विमर्श के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गैर भाजपा पार्टियों के मुख्यमंत्रियों और अन्य राजनीतिक नेताओं की पहली बैठक 22 मार्च को चेन्नई में होने जा रही है। इस बैठक में केरल, तेलंगाना और पंजाब के मुख्यमंत्री, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, बीजू जनता दल (बीजद) नेता नवीन पटनायक, आंध्र प्रदेश से वाईएसआर कांग्रेस के मिधुन रेड्डी, कांग्रेस केरल राज्य प्रमुख के सुधाकरन, तृणमूल कांग्रेस, आईयूएमएल और पंजाब कांग्रेस के प्रतिनिधि बैठक में भाग लेंगे।

Page-04_Layout 1 3/22/2025 12:03 AM Page 1

सम्पादकीय

मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ना स्वागत योग्य

चुनाव आयोग द्वारा सभी मतदान पहचान पत्रों का आधार से लिंकिंग करने का निर्णय स्वागत योग्य और प्रशंसनीय है।इसके साथ ही फर्जी मतदाताओं को निष्क्रिय करना भी आवश्यक है। इसके साथ फर्जी मतदाताओं की साफ्टवेयर से पहचान के साथ उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई भी की जानी चाहिए। जब सरकार और चुनाव आयोग टेक्नोलाजी के माध्यम से सभी मतदाताओं के मतदाता पहचान पत्रों को आधार से जोड़ने की प्रक्रिया सुनिश्चित हो रही है, तो इसके प्रभाव से किसी भी मतदाता के पहचान पत्र की राष्ट्रीय स्तर पर उपयोगिता व मान्यता स्थापित हो सकेगी।

इसलिए सभी मतदाताओं द्वारा किसी भी चुनाव में मतदान भी अनिवार्य करने की कानूनी प्रक्रिया पर भी विचार किया जाना चाहिए। किसी भी मतदाता द्वारा चुनाव तिथि पर देश के किसी भी क्षेत्र में मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कम से कम जिला स्तर पर बहुउपयोगी मतदान केंद्र स्थापित होना चाहिए। यह प्रक्रिया आनलाइन भी हो सकती है। संभवतः यह सुविधा विश्व के किसी भी लोकतांत्रिक देश में नहीं है। इसके साथ दंडित अपराधियों और भ्रष्टाचारियों के चुनाव लड़ने और मतदान करने पर भी प्रतिबंध होना चाहिए, क्योंकि एक दंडित अपराधी और भ्रष्ट जनप्रतिनिधि समाज और देश के हित में काम नहीं कर सकता। फर्जी मतदाताओं की साफ्टवेयर से पहचान होने के बाद उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई आसान हो जाएगी।

यद्यपि कि चुनाव सुधार की दिशा में और बड़ा कदम उठाने की आवश्यकता है, जैसे की सयाफ्ता लोगों को चुनाव लड़ने से सदैव के लिए रोका जाय। बड़ी मात्रा में होने वाले फर्जी मतदान को रोकने के लिए भी एक मजबूत व्यवस्था की स्थापना की जाय। राजनीतिक दलों को चुनाव के समय जनता को प्रलोभन देने वाली घोषणाओं करने से रोका जाय। आजकल देखा जा रहा है कि चुनाव के समय लगभग सभी राजनीतिक दल जनता को अपने पक्ष में मिलाने के लिए कई तरह की मुफ्त की रेवड़ियां देने की लम्बी सूची जारी करते हैं। ये रेवड़ियाँ देश प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भारी नुकशान पहुँचाने वाली तो होती ही हैं, साथ ही इससे लोकतंत्र को भी खतरा पैदा होता है। आशा है की चुनाव आयोग इन सभी पहलुओं पर ध्यान देते हुए चुनाव सुधार की दिशा में बड़े निर्णय लेगा।

ट्रंप के टैरिफ से आया दुनिया में नया आर्थिक भूचाल

ऋतुपर्ण दवे

अमेरिका में इस बार चुनाव के दौरान ही ट्रंप के आक्रामक तेवर बता रहे थे कि वो न केवल कुछ नया करेंगे बल्कि सभी राष्ट्रपतियों से बड़ी लकीर खीचेंगे। 13 जुलाई 2024 को उन्हें मारने की कोशिश के दौरान चली गोली ने पूरे चुनावी रुख को बदल डाला। मौत और ट्रंप के बीच का सेकेंड्स से भी कम का ये फासला ही कहीं उनके सख्त तेवरों की वजह तो नहीं? उनके मुंह से तब निकले- फाइट, फाइट, फाइट के शब्द अब हकीकत में दुनिया के लिए चुनौती बन रहे हैं। ट्रंप कड़े और बड़े फैसले लेकर सबसे फाइट कर रहे हैं। क्या उनका दूसरा कार्यकाल अमेरिका और दुनिया में नया इतिहास रचेगा? सबसे ज्यादा परेशानी और हैरानी उनकी हालिया टैरिफ घोषणाओं से है जो दुनिया में चिंता का सबब है।

आखिर टैरिफ है क्या, जिससे ट्रंप की घोषणा के बाद बड़ा वैश्विक भूचाल आया हुआ है। यह दूसरे देशों से आयातित वस्तुओं पर लगाया जाने वाला टैक्स है। जिसका भुगतान आयातक करते हैं। किसी वस्तु पर 10 फीसदी टैरिफ का मतलब भारत से अमेरिका पहुंची 5 डॉलर की उस वस्तु पर 0.50 डॉलर का अतिरिक्त टैक्स है। इससे आयातित वस्तु का दाम बढ़ता है और खरीददार सस्ते घरेलू उत्पाद ढूंढ़ने लगते हैं। नतीजतन आयात करने वाले देश को अपनी अर्थव्यवस्था बढ़ाने में सहयोग मिलता है लेकिन ट्रंप का नजरिया अलग है। वो इसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था बढ़ाने, नौकरियों की रक्षा करने और कर राजस्व बढ़ाने के तौर पर देखते हैं।

दुनिया के अमीरों में शुमार दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट जिनके बारे में कहा जाता है कि वो दुनिया के शेयर बाजार की चाल को नियंत्रित करते हैं, वे भी ट्रंप के इस कदम से नाखुश हैं। बफेट टैरिफ नीतियों को युद्ध जैसा कदम मानते हैं। महंगाई और उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ने की आशंकाएं जताते हैं। इससे दीर्घकालीन अवधि में आर्थिक प्रभावों पर दुष्प्रभाव तथा आम उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ने की आशंका जताते हैं।

बफेट की टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह ट्रंप के चीन, कनाडा और मैक्सिको पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा के बाद आई। इससे ग्लोबल ट्रेड वॉर और बढ़ा जो निवेशकों की गहरी चिंता का सबब है।

टैरिफ पर अमेरिका और चीन आमने-सामने हैं। चीन चेतावनी दे चुका है कि वो इससे निपटने के लिए तैयार है। चीन ने कह चुका है कि वह अमेरिकी दबाव का मुकाबला करेगा। चीनी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ते ही दुनिया की दो दिग्गज अर्थव्यवस्थाओं के मध्य व्यापार युद्ध के आसार झलकने लगे हैं। चीनी विदेश मंत्री वांग का बयान कि यदि कोई देश केवल अपने हित आगे बढ़ाने लगे तो दुनिया में जंगल का कानून लागू हो सकता है। उन्होंने याद दिलाया कि अमेरिका को फेंटेनाइल महामारी से निपटने में बीजिंग का सहयोग नहीं भूलना चाहिए। क्या वाशिंगटन इस उदारता का बदला अकारण टैरिफ बढ़ा ले रहा है?

सच है कि चीन लंबे समय से विश्व का कारखाना बना हुआ है। 1970 के आखिर में जैसे ही चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था दुनिया के लिए खोली तबसे सस्ते श्रम और बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश के चलते ऊंचाइयां छूता चला गया। शायद ट्रंप को यही चीनी सफलता चुभ रही हो। दुनिया की निगाहें ट्रंप के टैरिफ युद्ध खासकर चीन की मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री पर है कि उसे कितना नुकसान पहुंच सकता है।

दूसरी ओर ट्रंप इस बार अपने व्यापारी मित्रों, सहयोगियों और सलाहकारों से ज्यादा घिरे दिखते हैं। टैरिफ उनके इकोनॉमिक प्लान्स का हिस्सा है। इससे अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग और रोजगार बढ़ेंगे। गौरतलब है कि उनके खास मित्र एलेन मस्क भारत में संभावनाओं को खोज ही रहे थे कि ट्रंप की सत्ता वापसी हुई। माना कि मस्क की टेस्ला कार की कीमत एक करोड़ होगी उस पर भारत में उतना ही टैरिफ लगेगा जिससे यहां कीमत दो करोड़ हो जाएगी। यदि दबाव के चलते कहीं शून्य टैरिफ वाली स्थिति बनी तो वही कार एक करोड़ में भारत में मिलेगी। इससे भारतीय कार बाजार को जबरदस्त चुनौती तय है।

यकीनन बात बहुत बिगड़ चुकी है। भारत समझता है कि ट्रंप जब कनाडा, यूरोपीय देशों और चीन को नहीं बख्श रहे तो भारतीय हितों व सम्मान की रक्षा खुद करनी होगी। वहीं, ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस के पहले संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए ऐतिहासिक भाषण दिया। इसमें भारत का नाम फिर उन देशों के साथ लिया जिन्होंने अपनी ऊंची शुल्क दर से नरम अमेरिकी नीतियों का फायदा उठाया। अमेरिका आगामी दो अप्रैल से इन देशों पर जैसे को तैसा या 'आंख के बदले आंख' की तर्ज पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा। जो देश जितना टैरिफ अमेरिकी कंपनियों पर लगाएगा, अमेरिका भी उतना ही अपने यहां लगाएगा। इससे भारतीय एक्सपोर्ट महंगा होगा। खाद्य पदार्थ, टेक्सटाइल्स, कपड़े, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, जेम्स एंड ज्वेलरी, फार्मास्यूटिकल्स और ऑटोमोबाइल सामग्रियां अमेरिकी बाजार में महंगी होंगी। नतीजन भारतीय उत्पाद वहां अभी जैसे नहीं टिक पाएंगे।

1951 में अमेरिकी संविधान में 22वें संशोधन के बाद कोई भी व्यक्ति दो बार राष्ट्रपति रह सकता है। ट्रंप आखिरी टर्म में वो कर गुजरना चाहते हैं जो इतिहास बने। वहीं, उनके व्यापारी मित्र अपने व्यापारिक हितों में लिपटे दिखते हैं। ट्रंप की मंशा को समझना आसान भी नहीं क्योंकि वो खुद नहीं जानते कि अगले पल क्या कर गुजरेंगे?

जिद्दी ट्रंप किसी मौजूदा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को नहीं मानते। न यही बताते कि पुराने अमेरिकी प्रशासनों ने ऐसे देशों को क्यों ऊंची दर से शुल्क लगाने दिया। हाल ही में व्हाइट हाउस में ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच प्रेस कांफ्रेन्स के दौरान कैमरों पर जो अप्रिय विवाद दिखा, जिसकी हर तरफ निंदा हुई। शांति की कीमत के बदले ट्रंप की यूक्रेनी खनिज भंडारों पर कब्जे की मांग यकीनन निंदनीय है। ट्रंप की नीयत ही बदनीयत लगती है। कहीं वो दुनिया को नए ट्रेड वार में धकेल कर उससे भी कमाने का रास्ता तो नहीं खोज रहे?

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

हिन्दू धर्म, उपवास और प्रधानमंत्री मोदी : संदर्भ-पॉडकास्ट संवाद

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

विश्व भर में कहीं भी, किसी भी कौने में हिन्दू होकर जीवन जीने के मायने क्या हैं, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर से बहुत स्पष्ट तरीके से व्याख्यायित कर दिया है। उन्होंने दुनिया को समझाया है कि कैसे एक हिन्दू अपने जीवन में सर्वसमावेशी है। वास्तव में जो आज हिन्दू दृष्टि पर किसी न किसी रूप में दोष मढ़ने का कार्य कर रहे हैं, उन्हें चाहिए कि वे एक बार अवश्य प्रधानमंत्री मोदी के लेक्स फ्रिडमैन के साथ हुए पॉडकास्ट संवाद को सुने। निश्चित ही उनके जितने भी भ्रम हिन्दू धर्म और इससे जुड़ी परंपराओं को लेकर हैं वह दूर हो जाएंगे।

वस्तुतः प्रधानमंत्री मोदी उच्चतम न्यायालय का संदर्भ देकर समझाते हैं कि हिंदू धर्म कोई पूजा-पाठ पद्धति का नाम नहीं है, यह तो वे ऑफ लाइफ अर्थात ₹जीने का ढंग₹ या ₹तरीका₹ है। जैसे किसी व्यक्ति की जीवनशैली उसकी आदतों और रोजमर्रा की गतिविधियों का समुच्चय है, ठीक वैसे ही भारत में जन्मा यह सनातन हिन्दू धर्म है। प्रधानमंत्री मोदी यहां कहते हैं कि हिन्दू धर्म से जुड़े शास्त्र यह कई तरह से समझाते हैं कि कैसे शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा के माध्यम से मनुष्यत्व को ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकता है। इसके लिए हिन्दू धर्म कुछ रास्ते और परंपरागत व्यवस्थाओं के माध्यम से स्वयं को नित्य प्रकाशित करते रहने का मार्ग भी बताता है। जिसमें से एक उपवास भी है।

लेक्स फ्रिडमैन, ने जब प्रधानमंत्री मोदी से उपवास के बारे में जानना चाहा, तब उन्होंने सहज रूप से बताया कि आखिर हिन्दू धर्म में उपवास के मायने क्या हैं। वैसे उपवास को लेकर चरक संहिता में कहा गया है -

'दोषः कदाचित कुप्यन्ति, जिता लंघन पचनेया।
जिता संशोधनहेतुर, न तेषां पुनरुद्धभव।।'

अर्थात, हम केवल अपने शरीर का विषहरण करके अपने सभी दोषों (वात, पित्त और कफ) को संतुलित कर सकते हैं। अगर पाचन क्रिया ठीक रहेगी और हम समय-समय पर उपवास करते रहेंगे, तो हम हमेशा स्वस्थ रहेंगे। वास्तव में यह स्वस्थ रहना शरीर तक सीमित नहीं, यह हमारी इंद्रियों और मन से भी जुड़ा हुआ है, जिसका कि निहितार्थ श्रीमद् भगवद्गीता के दूसरे अध्याय के 59वें श्लोक में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को बताया है- 'विषया विनिवर्तन्ते निराहारस्य देहिनः रसवर्जं रसोऽप्यस्य परं दृष्ट्वा निवर्तते'। तात्पर्य कि निराहार मनुष्य के विषय दूर हो जाते हैं, साधक इंद्रियों को अपने भोग की वस्तुओं से रोक सकता है, लेकिन वस्तुओं के स्वाद की भावना बनी रहती है। हालाँकि, यह स्वाद भी उन लोगों के लिए समाप्त हो जाता है, जिन्हें सर्वोच्च शक्ति का एहसास होता है। इसलिए अपने संवाद में प्रधानमंत्री मोदी उपवास पर व्यापक संवाद करते हैं।

उनके अनुसार उपवास जीवन को अंतर बाह्य दोनों प्रकार के अनुशासन के लिए बहुत ही उपकारक है। यह जीवन को गढ़ने में भी काम आता है। जब आप उपवास करते हैं, तो आपकी जितनी इंद्रियाँ हैं, खासकर के सुगंध की हो, स्पर्श की हो, स्वाद की हो। ये सभी बहुत जागरुक हो जाती हैं। दूसरा; उपवास, आपके विचार प्रभाव को ये बहुत ही तीक्ष्णता देते हैं, नयापन देते हैं। प्रधानमंत्री कह रहे हैं, कि यह एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। उनके लिए उपवास एक उपासना है, जो उन्हें बाहर से अंदर की यात्रा और अंदर से होते हुए बाहर, संपूर्ण ब्रह्माण्ड की यात्रा कराती है। यह एक अद्भुत अनुभूति है।

लेक्स फ्रिडमैन ओर अधिक पूछे जाने पर प्रधानमंत्री मोदी उन्हें हिन्दू धर्म की चातुर्मास उपवास व्यवस्था के बारे में बताते हैं। प्रधानमंत्री कहते हैं कि हमारे यहाँ चातुर्मास की परंपरा है। जब वर्षा ऋतु होती है। तो हम जानते हैं मनुष्य की पाचन शक्ति काफी कम हो जाती है। इसलिए वर्षा ऋतु में एक समय ही भोजन करना है। यानी 24 घंटों में एक समय। मोदी बता रहे हैं कि वो जून मध्य से इसका आरंभ करते हैं और फिर दिवाली का करीब-करीब नवंबर माह आ जाता है। लगभग चार से साढ़े चार महीनों तक यह चातुर्मास की परंपरा चलती है। जिसमें वे चौबिस घंटे में एक बार भोजन लेते हैं। फिर नवरात्रि आती है, जो पूरे देश में दुर्गा पूजा का उत्सव है, शक्ति उपासना का उत्सव है, वो नौ दिन का होता है। दूसरा एक मार्च-अप्रैल महीने में नवरात्रि पुनः आती है, जिसे ₹चैत्र नवरात्रि₹ कहते हैं। तब फिर से नौ दिन मैं उपवास करता हूँ। फिर वे आगे स्पष्ट करते हैं कि वास्तव में उपवास प्रत्येक व्यक्ति का अपना निजी मामला है, इसलिए हमारे यहां हिन्दू परंपरा में कोई इसकी पब्लिसिटी वगैरह नहीं करता। यह उपवास रखनेवाले एवं इसके महत्व को समझनेवाले प्रत्येक के जीवन का एक सामान्य हिस्सा है।

यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मेडिटेशन के माध्यम से बहुत सरल ढंग से सनातन हिन्दू धर्म की परंपरा में नाद ब्रह्म के महत्व को भी प्रतिपादित करते दिखे। वे अपनी हिमालयन लाइफ को याद करते बता देते हैं कि कैसे एक संत ने उन्हें एक बर्तन में एक-एक गिरती पानी की बूंद और उसकी टपक-टपक की ध्वनि से सिखाया कि तुम कुछ मत करो, सिर्फ इसी की आवाज सुनो, कोई और आवाज तुमको सुनाई नहीं देनी चाहिए। कितने ही पक्षी बोलते हों, हवा की आवाज आती हो, कुछ नहीं, तुम इस पानी की जो बूंद बर्तन में गिरती हैं, उसे सुनों और अंदर तक अपने रोम-रोम में महसूस करो। यहीं से प्रधानमंत्री मोदी की ध्यान यात्रा आरंभ हो जाती है। कोई मंत्र नहीं, सिर्फ टप-टप की ध्वनि और इस तरह से उस नाद-ब्रह्म से मोदी अपना नाता जोड़ने में सफल हो जाते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यहां अपनी बातचीत में कुछ मंत्रों का जिक्र भी करते हैं और हिन्दू धर्म को जीनेवाले प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में उसे पूर्णता का अनुभव करा देते हैं। उन्होंने कहा- ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदम पूर्णात्पूर्णमुदच्यते। यानी पूरे जीवन को एक सर्कल के अंदर उस (ब्रह्म) ने रखा हुआ है। पूर्णता ही सर्वस्व है, पूर्णता प्राप्त करने का विषय है। उसी प्रकार से हमारे यहां (हिन्दू परंपरा में) कल्याण की बात कही गई है, सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः। यानी सबका भला हो, सबका सुख हो, सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भाग भवेत। अतः इन सभी मंत्रों में भी लोगों के सुख की बात है, लोगों के आरोग्य का बात है और फिर करें क्या ॐ शांतिः, शांतिः, शांतिः।

हमारे हर मंत्र के बाद आएगा, यानी ये जो धार्मिक संस्कार भारत में डेवलप हुए हैं, वो हजारों सालों की ऋषियों की साधना से निकले हुए हैं। लेकिन वे जीवन तत्व से जुड़े हुए हैं। वैज्ञानिक तरीके से रखे हुए हैं। वास्वत में यही भारत है, जिसके बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सभी को बहुत सहजता से व्यापक अर्थों में समझाने का प्रयास किया है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

वक़्फ कानून को और बेहतर बनाएं

राकेश दुबे

वक्फ बिल के मुद्दे पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और हिंदू संगठन एक-दूसरे के खिलाफ आंदोलित हैं। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर दोनों ने अपने-अपने मोर्चे खोले। मुस्लिम पक्ष के तेवर काफी उग्र हैं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष महमूद मदनी ने कहा है कि सरकार वक्फ बिल के जरिए संविधान पर बुलडोजर चलाना चाहती है।

मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा है कि यह सांप का बिल है, जिसमें जहर भरा है। सांसद ओवैसी अपने तल्ख संबोधनों में मुसलमानों को डराते और भड़काते रहे हैं कि यदि वक्फ बिल संसद में पारित हो गया तो हुकूमत हमारी मस्जिदें छीन लेगी, दरगाहें तोड़ देगी और कब्रिस्तान पर भी कब्जा कर लेगी। अजीब आंदोलन है यह! यही नहीं, शाहीन बाग सरीखे नए आंदोलन तक की धमकी दी जा रही है।

वक्फ संशोधन बिल ईद के बाद, बजट सत्र के अंतिम भाग में, संसद में पेश किया जाना प्रस्तावित है। लोकसभा स्पीकर ने सरकार का आग्रह मानते हुए जिस संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया था, उसकी भारी-भरकम रपट लोकसभा में रखी जा चुकी है। जेपीसी के 31 सांसद-सदस्यों में विपक्ष के भी पर्याप्त सांसद थे, लिहाजा ये दलीलें बेमानी हैं कि उनके पक्ष और संशोधन अनसुने रखे गए हैं।

संसद के भीतर भी तमाम संशोधन बहुमत या ध्वनि मत के आधार पर ही पारित किए जाते हैं। यदि जेपीसी में भी यही प्रणाली इस्तेमाल की गई है, तो विपक्ष की आपत्तियां चीखा-चिल्ली के अलावा कुछ और नहीं हैं। कार्यपालिका और विधायिका को सदन में किसी भी मुद्दे या कानून में संशोधन करने के संवैधानिक विशेषाधिकार हैं। सदन में मुस्लिम और उनके समर्थक दलों-सपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस आदि-के सांसद भी हैं। वे संसदीय बहस में शिरकत करें।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के मुठ्ठी भर नेता प्रस्तावित बिल को अल्लाह और इस्लाम के खिलाफ करार क्यों दे रहे हैं? वक्फ बोर्ड की जमीनें और संपत्तियां अल्लाह के नाम पर अर्जित की गई होंगी लेकिन उनमें गहरे विवाद हैं। केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय को 2023 में 148 शिकायतें मिली थीं, जिनमें अधिकतर मुसलमानों की ही थीं। आज भी 40,951 मामले ट्रिब्यूनल या अदालतों में लंबित हैं, लिहाजा संशोधन क्यों न किया जाए? हम तो देश में वक्फ बोर्ड सरीखे मजहबी संगठनों के अस्तित्व के ही खिलाफ हैं। देश में सरकार और प्रशासन के लोकतांत्रिक ढांचे को जनादेश प्राप्त है। वक्फ कानून में संशोधन होते रहे हैं लेकिन इसकी निरंकुशता पर लगाम नहीं लगाई जा सकी है। देश में 9 लाख एकड़ से अधिक जमीन वक्फ बोर्ड के अधीन है, जो रेलवे और सेना के बाद सर्वाधिक है।

करीब 8.7 लाख संपत्तियों की सालाना आमदनी मात्र 200 करोड़ रुपए बताई जाती रही है, जबकि सच्चर कमेटी की रपट के मुताबिक, यह आमदनी 12,000 करोड़ रुपए से अधिक होनी चाहिए। सवाल है कि इसमें भारी घोटाला है अथवा भू-माफिया की एक जमात हकीकत को छिपाए रखना चाहती है? विडंबना यह है कि 1.26 लाख करोड़ रुपए, 2023-24 के आकलन के मुताबिक, की संपत्तियों वाले वक्फ के मुस्लिम समाज में आज भी करीब 32 प्रतिशत अनपढ़ और 30 प्रतिशत गरीब मुसलमान हैं। वक्फ बोर्ड ऐसे मुसलमानों की मदद क्यों नहीं करता? जब आंदोलन की नौबत आ गई है, तो रमजान के महीने में भी रोजेदार मुसलमानों को सड़कों पर उतरने के आह्वान किए जा रहे हैं। दरअसल, वक्फ बोर्ड संविधान के अनुच्छेदों 25 और 26 की अवहेलना करता है। संशोधन की जरूरत इसलिए है, ताकि एक निश्चित व्यवस्था के तहत वक्फ के बेहतर ऑडिट किए जा सकें।

आरएनआई नं. DELHIN/2009/28518 स्वामी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक रमाकांत पाण्डेय द्वारा दिव्य भारत प्रकाशन के लिए न-93 डी नारायण नगर दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफल इंफोटेक लि., प्रेस, सी-9 सेक्टर 3 नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : रमाकांत पाण्डेय, कार्यकारी सम्पादक : आलोक पाण्डेय, फोन : 7701825882, 7905152597, पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के लिए उत्तरदायी।
E-mail : newdibyabharat@gmail.com

बिहार छात्र आंदोलन का वह ऐतिहासिक दिन

लव कुमार मिश्र

मार्च 18 देश के लिए एक साधारण दिन नहीं था, जब 1974 में आज ही के दिन पटना जल उठा था। स्वतंत्रता संग्राम के बाद पहली बार जगह-जगह पुलिस फायरिंग हुई, सरकारी और निजी संपति को बड़े पैमाने पर आग लगाई गई। 18 मार्च 1974 को बिहार विधान मंडल का बजट सत्र शुरू होना था। वित्त मंत्री दरोगा प्रसाद राय, जो मुख्यमंत्री भी रहे, को बजट पेश करना था। राज्यपाल रामचंद्र धोन्दुबा भंडारे को सत्र का उद्घाटन करना था। पटना का राज भवन विधान मंडल के पश्चिम में स्थित है,बीच में मुख्य सचिवालय है। बिहार के छात्रों ने गुजरात के मोरबी से शुरू हुए नव निर्माण आंदोलन से प्रेरित होकर, महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी की समस्या को लेकर बिहार विधान मंडल का घेराव करने की घोषणा कर दी थी। इसके पहले पटना विश्वविद्यालय के व्हीलर सेनेट हाल में देश के निर्वाचित विश्वविद्यालय छात्र संघ के नेताओं का सम्मेलन हुआ,जिसमें दिल्ली से अरुण जेटली भी आए थे। छात्र संगठनों की घोषणा को देखते हुए अब्दुल गफूर की सरकार ने विधान मंडल के चारों तरफ, पश्चिम में सचिवालय और हार्डिंग रोड, पूर्व में आर ब्लॉक, दक्षिण में यारपुर, उत्तर में मंगलेश रोड पर जबरदस्त बैरीकेडिंग कर दी थी। केंद्रीय रिजर्व पुलिस और मजिस्ट्रेट सभी जगह पोस्ट किए गए थे। आंदोलित छात्रों के समूहों ने प्रातः काल से ही चारों तरफ घेरा डाल दिया था। इसके चलते सुरक्षा बलों से झड़पें होने लगी थीं। इस बीच पलामू से आए अक्षय कुमार सिंह और आरा के छात्र अवधेश कुमार सिंह ने राज्य पथ परिवहन की नगर सेवा की बस के ड्राइवर को हटाकर उस पर कब्जा कर लिया और उस बस को चारों तरफ घुमना शुरू कर दिया था। इस बीच राज्यपाल का काफिला पश्चिम साइड से सचिवालय में प्रवेश करने के लिए निकला। उसी गेट पर लालू प्रसाद यादव, जो पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष थे,ने रोकने का प्रयास किया। सुरक्षा अधिकारियों ने लाठी चार्ज करवाया, तब महामहिम विधानसभा प्रांगण पहुंच पाए। राज्यपाल ने जैसे ही अभिभाषण शुरू किया, तीनों तरफ से सुरक्षा घेरा तोड़0कर छात्रों का समूह भी विधान सभा परिसर में पहुंच गया। विधान सभा के भीतर प्रवेश करने का प्रयास हुआ। आक्रोशित छात्रों को देख वित्त मंत्री ने अपने आपको को टॉयलेट में बंद कर लिया और राज्यपाल को बिना भाषण पढ़े लौटना पड़ा। इस बीच बाहर आगजनी शुरू हो गई। सुरक्षा बलों ने मंत्रियों और विधायकों को सुरक्षित उनके आवास पहुंचा दिया। उपद्रवी छात्रों ने विधानसभा के सामने स्थित पेट्रोल पंप, जो बिहार के एक मुख्य सचिव के पिता का था, जला डाला। मंगलेश रोड और हार्डिंग रोड स्थित सरकारी भवन भी शिकार हुए। स्टेशन के करीब हार्डिंग पार्क स्थित यार्ड में रेलगाड़ी को भी आग के हवाले कर दिया गया। यह पैसेंजर गाड़ी दीघा घाट जाती थी। छात्रों ने गार्डिनर रोड पर सर्किट हाउस में भी आग लगा दी। अभी हाल ही विजय शंकर दुबे ट्रांसफर होकर पटना में जिला अधिकारी होकर आए थे और परिवार सहित सर्किट हाउस में रहते थे। वे अन्य जगहों पर हुए आगजनी रोकने की व्यवस्था कर रहे थे कि उन्हें वायरलेस सेट पर खबर मिली कि सर्किट हाउस के पांच नंबर रूम में भी आग लगा दी गई है। बाद में छात्रों के समूहों ने बुद्ध मार्ग स्थित एक और पेट्रोल पंप, प्रदीप और सर्चलाइट प्रेस में भी आग लगा दी। फिर वे फ्रेजर रोड में इंडियन नेशन और आर्यावर्त अखबारों के भवन में आग लगाते हुए राजस्थान होटल को भी आग के हवाले कर दिया। पटना हाइकोर्ट के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश राकेश कुमार ने बताया कि बिहार स्कूल एग्जामिनेशन बोर्ड का मैट्रिकुलेशन का सेंटर राम मनोहर राय सेमिनरी में था,परीक्षा समाप्त होने पर गर्दनी बाग वापस पैदल लौटना पड़ा। न बस, न टमटम, न रिक्शे थे, पूरे रस्ते सीमा सुरक्षा बल और सेना के जवान,जगह जगह आगजनी के सबूत। झारखंड में अवकाश प्राप्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, नरेन्द्र मिश्र ने याद किया- हम लोग साइंस कॉलेज में पढ़ते थेष कावेंडिश हॉस्टल के बॉर्डन थे। कर्फ्यू लग गया था,कैंपस में भी पुलिस आ गई थी। छात्रावासों में तलाशी चालू हुई। मैं हॉस्टल के करीब कृष्ण घाट से गंगा नदी में नाव पकड़ा और उस पार सोनपुर पहुंचा,फिर वहीं से अपने घर दरभंगा। इधर शहर में अफवाह फैला दी गई कि लालू प्रसाद यादव भी पुलिस की गोली से मारे गए हैं। छात्र संघ के अध्यक्ष को उस वक्त भी उसके हॉस्टल या निवास में फोन की सुविधा होती थी। तीन बजे दोपहर मैंने उनके नंबर पर फोन किया तो लालू जी ने फोन उठाया, मैंने उनके कुशलक्षेम की जानकारी ली और उनके मारे जाने की अफवाह के बारे में बताया। उन्होंने दावा किया कि खबर तो उन्होंने ही फैलाई थी,मारे जाने की अफवाह के बाद ही बड़े पैमाने पर आग लगी। बाद में लालू को शहर के पूर्व में लोहानीपुर से पकड़ा गया,अन्य छात्र नेताओं के साथ फ्रेजर रोड स्थित बांकीपुर केंद्रीय कारागार में बंद किया गया। डिफेंस ऑफ इंडिया रूल्स और मीसा की धारा लगाई गई। एक सप्ताह बाद जब जयप्रकाश नारायण वेल्लोर से अपना इलाज कर लौटे तब आंदोलन का रूप ले चुके संघर्ष का नेतृत्व दे दिया गया, जो कालांतर में जेपी बनाम इंदिरा गांधी हो गया। मुझे स्मरण है गंगा नदी किनारे स्थित अनुग्रह नारायण संस्थान में जनवरी 1974 में एक सेमिनार हुआ था। जयप्रकाश नारायण भी आए, पर हॉल में सौ लोग भी नहीं थे। लेकिन आंदोलन के दौरान इनकी सभा में तिल रखने की भी जगह नहीं मिलती थी। वह छात्र आदोंलन कालांतर में जेपी का आंदोलन बना और आखिरकार उस आंदोलन की परिणति केन्द्र में इंदिरा गांधी के शासन को उखाड़ फेंकने से हुई।

प्रसंगतः बच्चे और उनके दादाजी

एक गाँव में दो चतुर बच्चे अपने माता-पिता के साथ रहते थे। एक दिन उनके दादाजी उनके साथ रहने के लिए आए। वह एक नाविक रह चुके थे। बच्चों को उनसे कहानियाँ सुनना अच्छा लगता था। वह उन्हें बताते, कैसे वह समुद्री डाकुओं से लड़े। धीरे-धीरे दादाजी कहानियाँ सुनाकर ऊब गए। वह अपने हमउम्र लोगों से बातें करना चाहते थे। गाँव के पास 'नाविक की वापसी' नामक एक सराय थी। बच्चों ने दादाजी को उसके बारे में बताते हुए कहा- 'आपको वहाँ जाना चाहिए। वह नाविकों से भरा रहता है।' लेकिन दादाजी ने कहा- 'अब मैं नए दोस्त नहीं बना सकता।' बच्चों ने उस सराय के मालिक के बच्चों को बताया- 'हमारे दादाजी एक नाविक थे। वह समुद्री डाकुओं और गड़े हुए खजाने की बहुत सी कहानियाँ जानते हैं और यह भी जानते हैं कि डाकुओं ने खज़ाना कहाँ छुपाया था।' जल्दी ही, दादाजी को सराय से निमंत्रण आने लगे। दादाजी अब अपना समय सराय में बिताने लगे और वह अब यहाँ पर खुश थे। बच्चे भी खुश थे क्योंकि अब दादाजी हमेशा उनके साथ ही रहने वाले थे।

Page-05_Layout 1 3/22/2025 4:07 AM Page 1

श्रीनगर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा दिव्यांगों को सम्मानित करते हुए।

हमें दिव्यांगों के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने होंगे : मनोज सिन्हा

- **दिव्यांगजनों के लिए जागरूकता, समावेशन और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित पर्पल फेस्ट में उपराज्यपाल शामिल हुए।**
- **उपराज्यपाल ने दिव्यांगजनों की दृढ़ता और प्रतिभा की सराहना की, उन्हें अधिक सुलभ और समावेशी जम्मू कश्मीर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया।**

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने आज राजभवन में पर्पल फेस्ट 2025 में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों के लिए जागरूकता, समावेशन और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था। अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने दिव्यांगजनों की दृढ़ता और प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने उन्हें अधिक सुलभ और समावेशी जम्मू कश्मीर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया।

उपराज्यपाल ने कहा, हमने दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए समर्पण के साथ काम किया है और दिव्यांगजनों की गरिमा, अधिकार और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में बड़ी पहल की गई है। मैं सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन के हर पहलू में उनके एकीकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। उपराज्यपाल ने दिव्यांगजनों के लिए एक सहायक वातावरण बनाने, उनकी जन्मजात क्षमता को बढ़ावा देने और उन्हें एक सम्मानजनक जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए सरकार द्वारा की गई प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, हमें दिव्यांगजनों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना चाहिए। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने सुधारों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक सार्वजनिक या निजी प्रतिष्ठान समान अवसर नीति का पालन करे और दिव्यांगजनों के सामने आने वाली चुनौतियों का व्यवस्थित रूप से समाधान करे। उपराज्यपाल ने कहा, दिव्यांगजनों में जीवन में असाधारण सफलता प्राप्त करने की अपार क्षमता है। वे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिभाशाली और समर्पित हैं। वे कल्याण नहीं बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं। मैंने हमेशा ऐसी नीतियों और निर्णयों पर ध्यान केंद्रित किया है जो उन्हें इस तरह से तैयार करें कि वे मुख्यधारा में एकीकृत हो सकें।

उपराज्यपाल ने दिव्यांगजनों की शिक्षा को समावेशी वातावरण में पूरा करने के लिए सभी हितधारकों, नागरिक समाज संगठनों से समर्थन मांगा। उन्होंने कहा, दिव्यांगजनों के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक शक्तिशाली माध्यम है जो उन्हें रोजगार और उन्नति के अवसर प्रदान करेगा। उपराज्यपाल ने कहा कि आज दिव्यांगजनों के लिए उनके सशक्तीकरण और उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कौशल विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, कौशल विकास के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक बहुपक्षीय सहयोगात्मक प्रयास दिव्यांगजनों को उनकी पूरी व्यक्तिगत क्षमता का एहसास कराने में मदद करेगा। उपराज्यपाल ने पैरा-आर्चर सुश्री शीतल देवी और श्री राकेश कुमार का भी विशेष उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि उनकी अविश्वसनीय यात्रा, और दृढ़ संकल्प और अडिग इच्छाशक्ति सभी के लिए प्रेरणा बन गई है। उपराज्यपाल ने लाभार्थियों की पहचान करने और दिव्यांगजनों के लिए विशिष्ट पहचान पत्रों की 100% संतृप्ति सुनिश्चित करने के लिए समर्पित प्रयास करने के लिए समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों और अन्य हितधारकों पर जोर दिया। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर सरकार ने पहले ही भारत सरकार से दिव्यांगजनों के लिए जम्मू और कश्मीर संभाग में एक-एक मेगा कैंप आयोजित करने का अनुरोध किया है।

इस कार्यक्रम में समग्र क्षेत्रीय केंद्र जम्मू, समाज कल्याण निदेशालय और विभिन्न संगठनों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन और मार्शल आर्ट का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने उपराज्यपाल को श्री माता वैष्णो देवी की माता की चुन्नी और हस्तनिर्मित फूलों के गमले और गुलदस्ते भी भेंट किए। इस अवसर पर, उपराज्यपाल ने समग्र क्षेत्रीय केंद्र जम्मू, जिगर फाउंड सहित विभिन्न संगठनों के अधिकारियों और सदस्यों को सम्मानित किया।

जम्मू-कश्मीर वन विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस मनाया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर वन विभाग ने शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बेमिना के सहयोग से आज अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के उपलक्ष्य में जेवीसी परिसर, बेमिना, श्रीनगर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। वनों के महत्व और पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 21 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष का विषय, 'वन और भोजन', वनों और हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन के बीच जटिल संबंधों पर प्रकाश डालता है। पौधारोपण कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए, जो स्थायी वन प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वन विभाग की प्रतिबद्धता पर जोर देते हैं। इस कार्यक्रम में वन विभाग, एसकेआईएमएस बेमिना, गैर सरकारी संगठनों और स्थानीय समुदाय के सदस्यों के अधिकारियों ने भाग लिया। कश्मीर के मुख्य वन संरक्षक इरफान रसूल वानी ने चिकित्सा विज्ञान में वनों की आवश्यक भूमिका और स्वस्थ वातावरण प्रदान करने में उनके योगदान पर जोर दिया। वानी ने कहा, वन न केवल जैव विविधता का समर्थन करते हैं बल्कि वायु की गुणवत्ता में सुधार और बीमारियों के संचरण को रोककर सार्वजनिक स्वास्थ्य में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एसकेआईएमएस मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों के प्रिंसिपल डॉ फज लुल कादिर पारे ने भी इस कार्यक्रम में बात की और मेडिकल संस्थानों के अंदर हरियाली बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला क्योंकि यह तनाव, चिंता और अवसाद को कम करके रोगी की रिकवरी और कल्याण को बढ़ाता है। इस कार्यक्रम में अन्य लोगों के अलावा तौहीद अहमद देवा, वन संरक्षक, श्रीनगर सर्कल और क्षेत्रीय वन्यजीव वार्डन, कश्मीर, मेहराज दीन मलिक, संयुक्त निदेशक वन सुरक्षा बल, कश्मीर, डीएफओ शहरी वानिकी प्रभाग, श्रीनगर डॉ शेख मेहराज, डीएफओ योजना और प्रचार प्रभाग, दानिश खान, डीएफओ एग्रोस्टोलॉजी, कश्मीर, सैयद हिमायूं कादरी और एसकेआईएमएस और वन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

वन सुरक्षा बल ने विश्व आर्बर दिवस मनाया

श्रीनगर। वन सुरक्षा बल जम्मू-कश्मीर ने गामा यूनिट के-01 श्रीनगर में वन और खाद्य थीम के तहत विश्व आर्बर दिवस मनाया। दिन के दौरान, वन सुरक्षा बल कर्मियों द्वारा श्रीनगर जिले में कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें वृक्षारोपण अभियान, परिसर की सफाई और प्लास्टिक मुक्त अभियान शामिल थे। मुख्य कार्यक्रम एफपीएफ मुख्यालय पीसी डिपो श्रीनगर में आयोजित किया गया था। इसके अलावा, एफपीएफ मुख्यालय गामा यूनिट के-01 श्रीनगर के परिसर में एक वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित किया गया।

निदेशक स्कूल शिक्षा ने घाटी के सभी स्कूलों में मेगा पौधरोपण अभियान की शुरूआत की

दिव्य भारत संवाददाता

श्रीनगर। निदेशक स्कूल शिक्षा कश्मीर, डॉ जीएन इटू ने आज आगामी ग्रैंड एनरोलमेंट ड्राइव 2025 के समापन समारोह के दौरान हाई स्कूल चौगुंड वेरीनाग अनंतनाग में पौधे लगाकर कश्मीर संभाग के सभी स्कूलों में मेगा पौधरोपण अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी में चल रहे विशेष नामांकन अभियान के दौरान स्कूलों के फिर से खुलने के बाद से 50,000 से अधिक छात्रों का नामांकन किया गया है।

इटू ने अधिकतम छात्र नामांकन सुनिश्चित करने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में, जहां अभियान जारी रहेगा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने बताया कि कक्षा 11 के छात्रों के लिए करियर परामर्श सत्र स्कूलों में आयोजित किए जा रहे हैं ताकि उन्हें अपने उच्च अध्ययन के लिए सूचित विषय विकल्प बनाने में मार्गदर्शन किया जा सके। छात्रों और स्थानीय समुदाय को संबोधित करते हुए, डॉ इटू ने सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न पहलों की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने जोर देकर कहा कि विभाग एक अधिक मजबूत और छात्र-अनुकूल शिक्षण वातावरण बनाने के लिए समर्पित है। इस बीच, डॉ. इटू ने छात्रों के बीच पर्यावरण संरक्षण के महत्व को मजबूत करते हुए स्कूल परिसर में एक मेगा प्लांटेशन ड्राइव भी शुरू की, जो कश्मीर संभाग के सभी स्कूलों में जारी रहेगी। कार्यक्रम में मुख्य शिक्षा अधिकारी अनंतनाग, जिला विकास परिषद (डीडीसी) के सदस्य, स्कूल अधिकारी, शिक्षक, अभिभावक और छात्र शामिल हुए।

निदेशक स्कूल शिक्षा ने घाटी के सभी स्कूलों में मेगा पौधरोपण अभियान की शुरूआत की।

एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन 26 मार्च को जनता के लिए खुलेगा

श्रीनगर, (हि.स.)। डल झील और जबरवान पहाड़ियों के बीच बसा एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन 26 मार्च को कश्मीर घाटी में पर्यटन सीजन की शुरूआत को चिह्नित करने के लिए जनता के लिए खुलेगा। लगभग 55 हेक्टेयर में फैले उद्यान में लगभग 17 लाख ट्यूलिप फूल के पौधे लगाए गए हैं। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला गार्डन का उद्घाटन करेंगे।

ट्यूलिप गार्डन में सहायक फ्लोरीकल्चर अधिकारी आसिफ अहमद ने कहा कि गार्डन 26 मार्च को जनता के लिए खोल दिया जाएगा। उद्यान के उद्घाटन की तैयारियां जोरों पर हैं और इसे तैयार करने के लिए अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस साल उद्यान में ट्यूलिप की दो नई किस्में जोड़ी गई हैं, जिससे कुल संख्या 74 हो गई है। उन्होंने कहा कि हम हर साल ट्यूलिप उद्यान के लिए कुछ नया करने की कोशिश करते हैं। इस साल हम नई रंग योजना लेकर आ रहे हैं। इस साल वसंत फूल जैसे कि हाइसिंथ, डेफोडिल, मस्करी और साइक्लेमेन भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

अहमद ने बताया कि 55 हेक्टेयर में फैले उद्यान में लगभग 17 लाख ट्यूलिप फूल के पौधे लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस साल हमारे पास 1.7 मिलियन फूल के पौधे हैं, जिन पर पर्यटक फूल खिलते हुए देख पाएंगे। उद्यान का विस्तार लगभग अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच गया है। नीदरलैंड से आयातित 50 हजार ट्यूलिप के साथ उद्यान को छोटे पैमाने पर शुरू किया गया था। इसने पर्यटकों के बीच तुरंत लोकप्रियता हासिल कर ली और हर साल आगंतुकों की संख्या और खिलने वाले ट्यूलिप दोनों के मामले में लगातार बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल 4.65 लाख से अधिक घरेलू और विदेशी आगंतुकों ने उद्यान का दौरा किया, जबकि 2023 में यह संख्या 3.65 लाख थी।

उपायुक्त ने पुंछ बाजार में नागरिक सुविधाओं का निरीक्षण किया

दिव्य भारत संवाददाता

पुंछ। डिप्टी कमिश्नर विकास कुंडल ने आज पुंछ बाजार और उसके आसपास के क्षेत्रों का व्यापक दौरा किया, जिसमें प्रकाश व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालय और चल रहे निर्माण परियोजनाओं सहित नगरपालिका सुविधाओं की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया गया। डिप्टी कमिश्नर ने स्थानीय दुकानदारों और व्यापार मंडल के सदस्यों के साथ बातचीत की, जिन्होंने जमीनी स्तर पर मूल्यांकन करने और उन्हें अपनी चिंताओं को व्यक्त करने का अवसर देने के लिए डीसी का आभार व्यक्त किया।

दुकानदारों ने पुरानी बिजली की तारों को बदलने, परेड पार्क में एक शौचालय परिसर का निर्माण करने, प्रसिद्ध उपन्यासकार कृष्ण चंद्र की अस्थियों को संशोधित करने, पुंछ किले के पीछे सीसीटीवी कैमरे लगाने के साथ सुरक्षा बढ़ाने के अलावा सार्वजनिक महत्व के कई अन्य मुद्दे उठाए।

डिप्टी कमिश्नर ने जनता के लिए उपलब्ध सुविधाओं की निगरानी के लिए कृष्ण चंद्र पार्क और पुंछ किले का भी दौरा किया। बाजार में प्रकाश व्यवस्था, जलापूर्ति और समग्र सफाई जैसी आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता के साथ-साथ जल निकासी व्यवस्था की प्रभावशीलता की भी जांच की गई। डिप्टी कमिश्नर ने पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता से जनता की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए फुटपाथ निर्माण में तेजी लाने का आग्रह किया और बेहतर यातायात सुरक्षा के लिए नखा वाली चौक पर दर्पण लगाने का निर्देश दिया। डिप्टी कमिश्नर ने समुदाय को आश्वासन दिया कि पूरे बाजार में बिजली के केबल तारों की स्थापना सहित सभी वैध मांगों पर तुरंत ध्यान दिया जाएगा।

डिप्टी कमिश्नर के साथ एडीसी ताहिर मुस्तफा मलिक, तहसीलदार हवेली, पुलिस अधिकारी, एआरटीओ, कानूनी माप विज्ञान अधिकारी, ईओ नगर पालिका, जेपीडीसीएल, जल शक्ति, पीडब्ल्यूडी (आरएंडबी) के कार्यकारी अभियंता, खाद्य सुरक्षा आयुक्त और अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद थे।

भूविज्ञान एवं खनन विभाग ने विश्व वृक्षारोपण दिवस मनाया।

भूविज्ञान एवं खनन विभाग ने विश्व वृक्षारोपण दिवस मनाया

दिव्य भारत संवाददाता

श्रीनगर। भूविज्ञान एवं खनन विभाग, कश्मीर ने आज विश्व वृक्षारोपण दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण अभियान चलाया। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

- **अपने स्वागत भाषण में, वरिष्ठ ड्रिलिंग इंजीनियर, कश्मीर, इंजीनियर अब्बू हामिद वानी ने जलवायु परिवर्तन से निपटने, जैव विविधता को संरक्षित करने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला।**

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए भूविज्ञान एवं खनन निदेशक सूरज प्रकाश रुकवाल ने कार्यक्रम के आयोजन में कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने में विश्व वृक्षारोपण दिवस के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने स्थायी खनन प्रथाओं और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए विभाग के समर्पण को दोहराया।

अपने स्वागत भाषण में, वरिष्ठ ड्रिलिंग इंजीनियर, कश्मीर, इंजीनियर अब्बू हामिद वानी ने जलवायु परिवर्तन से निपटने, जैव विविधता को संरक्षित करने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने पर्यावरण चुनौतियों को कम करने में वनीकरण की भूमिका पर जोर दिया और उपस्थित सभी लोगों को एक हरियाली भरे कल की दिशा में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस वृक्षारोपण अभियान में अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक करते हुए निर्धारित स्थानों पर पौधे लगाए।

इस कार्यक्रम में सरकारी गर्ल्स सेकेंडरी स्कूल पांडेर्थन श्रीनगर और दिल्ली पब्लिक स्कूल, अठवाजन, श्रीनगर की छात्राओं ने भी सक्रिय भागीदारी की, जिन्होंने पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने और ग्लोबल वार्मिंग से निपटने में पेड़ों के महत्व पर ज्ञानवर्धक भाषण दिए।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी में पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना पैदा करना था। छात्रों ने हवा को शुद्ध करने, पानी को संरक्षित करने, मिट्टी के कटाव को रोकने और जैव विविधता का समर्थन करने में पेड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उनके भाषणों में आज के पर्यावरणीय चुनौतियों और वनीकरण की तत्काल आवश्यकता की गहरी समझ झलकती है। सभी ने छात्रों द्वारा दिखाए गए उत्साह और जागरूकता की सराहना की। समारोह के एक हिस्से के रूप में, छात्रों ने विभाग के कर्मचारियों के साथ मिलकर निर्दिष्ट स्थलों पर पौधे लगाए, प्रकृति की रक्षा के लिए अपनी प्रतिज्ञा को मजबूत करते हुए ऐसी पहल जारी रखने का आह्वान किया, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और हरा-भरा वातावरण सुनिश्चित हो सके।

Page-06_Layout 1 3/22/2025 1:27 AM Page 1

गाजा में इजरायली हवाई हमले के बाद फिलिस्तीन व्यक्ति क्षतिग्रस्त इमारत को देखते हुए।

लंदन में बिजली सब स्टेशन में आग लगने से हीथ्रो एयरपोर्ट को बंद किया गया

लंदन, (हि.स.)। लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट को बिजली आपूर्ति करने वाले सब स्टेशन में गुरुवार देररात आग लग जाने से कई उड़ानों के रद्द कर दिया गया। इसके अलावा कुछ उड़ानों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। आग लगने की वजह से हीथ्रो एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। यह आज (शुक्रवार) पूरे दिन बंद रहेगा।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह आग इंग्लैंड के हेस में हीथ्रो हवाई अड्डे को बिजली आपूर्ति करने वाले एक विद्युत सब स्टेशन में लगी है। इसका फोटो लंदन फायर ब्रिगेड ने अपने एक्स हैंडल पर साझा किया है। हीथ्रो एयरपोर्ट शुक्रवार को पूरे दिन बंद रहेगा, क्योंकि पास के एक बिजली सब स्टेशन में आग लग गई है। इस जगह से एयरपोर्ट को बिजली की आपूर्ति होती है।

हीथ्रो एयरपोर्ट ने आज सुबह बयान में कहा कि यात्रियों और सहकर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हीथ्रो को 21 मार्च को 23:59 बजे तक के लिए बंद कर दिया गया है।

हीथ्रो एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वह एयरपोर्ट पर न आएं। अधिक जानकारी के लिए अपनी एयरलाइन से संपर्क करें। प्रवक्ता ने एयरपोर्ट बंद होने से यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है। उन्होंने कहा कि लंदन फायर ब्रिगेड के जवान आग बुझाने में युद्धस्तर पर लगे हुए हैं। मगर अभी यह स्पष्ट नहीं है कि स्थिति कब तक सामान्य हो पाएगी।

हीथ्रो ब्रिटेन का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। यह हर दिन लगभग 1,300 लैंडिंग और टेक-ऑफ को संभालता है। पिछले साल इसके टर्मिनलों से रिकॉर्ड 83.9 मिलियन यात्री गुजरे। पश्चिमी लंदन के हेस में सब स्टेशन में आग लगने से हजारों घरों में बिजली गुल है। लगभग 150 लोगों को आसपास के घरों से निकाला गया है। लंदन फायर ब्रिगेड ने कहा कि आग पर नियंत्रण पाने के लिए 10 दमकल गाड़ियां और लगभग 70 अग्निशमन कर्मी भेजे गए हैं। एहतियात के तौर पर 200 मीटर की घेराबंदी की गई है। स्थानीय निवासी धुआं फैलने की वजह से दरवाजे और खिड़कियां बंद रखें।

ऊर्जा आपूर्तिकर्ता स्कॉटिश और सदर्न इलेक्ट्रिसिटी नेटवर्क्स ने एक्स पर कहा कि आग के कारण बड़े पैमाने पर 16,300 से अधिक घरों की बिजली गुल हो गई है। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। लंदन फायर ब्रिगेड के सहायक आयुक्त पैट गॉलबोर्न ने कहा कि अग्निशमन कर्मी जल्द से जल्द आग पर काबू पाने के लिए चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अथक परिश्रम कर रहे हैं।

अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की खबर के अनुसार, हीथ्रो एयरपोर्ट से आने-जाने वाली उड़ानों को डायवर्ट किया जा रहा है या रद्द किया जा रहा है। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट 'फ्लाइट रडार 24' ने कहा कि वर्तमान में हवा में 120 उड़ानें वैकल्पिक एयरपोर्ट पर डायवर्ट की जाएंगी या अपने मूल स्थान पर वापस लौट जाएंगी। एयरपोर्ट बंद होने के बाद से पहला निर्धारित आगमन जोहान्सिबर्ग से ब्रिटिश एयरवेज की उड़ान है। इसे स्थानीय समयानुसार सुबह 4:30 बजे उतरना था और हीथ्रो वेबसाइट पर अभी भी इसे अपेक्षित के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। यूनाइटेड की वेबसाइट के अनुसार, न्यूयॉर्क से यूनाइटेड एयरलाइंस की एक उड़ान को आयरलैंड की ओर डायवर्ट किया गया है। हीथ्रो के अनुसार, ज्यूरिख, पेरिस और मैड्रिड की उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इस एयरपोर्ट में छह टर्मिनल हैं। इनमें से पांच आम जनता के लिए खुले रहते हैं। एक विशेष रूप से राजघरानों और राष्ट्राध्यक्षों के लिए आरक्षित रहता है। हीथ्रो एयरपोर्ट ने कहा कि आग इतनी भयावह है कि आने वाले दिनों में महत्वपूर्ण व्यवधान की आशंका है। इस बारे में स्पष्टता नहीं है कि बिजली कब तक बहाल हो पाएगी।

भारतीय छात्र को फिलहाल निर्वासित न किया जाए : अमेरिकी अदालत

वाशिंगटन, (हि.स.)। अमेरिका में वर्जीनिया के अलेक्जेंड्रिया में जिला न्यायाधीश पैट्रिशिया गिल्स ने गुरुवार को ट्रंप प्रशासन को संक्षिप्त आदेश दिया कि भारतीय छात्र बदर खान सूरी को तब तक अमेरिका से नहीं निकाला जाएगा जब तक कि अदालत इसके विपरीत आदेश जारी न कर दे। जज गिल्स ने यह आदेश सूरी की याचिका के निपटारे और उनकी पत्नी के हलफनामे के मद्देनजर दिया है।

डिजिटल अखबार 'पॉलिटिको' की खबर में यह जानकारी दी गई। खबर में कहा गया है कि न्यायाधीश गिल्स की नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने की थी। संघीय न्यायाधीश गिल्स ने आदेश में कहा कि ट्रंप प्रशासन भारतीय मूल के जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता सूरी को निर्वासित करने के अपने प्रयासों को अभी आगे न बढ़ाए। उल्लेखनीय है कि सूरी को सोमवार रात वर्जीनिया के अलिंग्टन के रॉसलिन में उनके घर के बाहर से आव्रजन अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था।

सूरी पर अमेरिका की इजराइली विदेश नीति का विरोध करने का आरोप लगा है। उनके वकील हसन अहमद ने मुवक्किल की तत्काल रिहाई के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। याचिका में कहा गया है कि अधिकारियों ने खुद को होमलैंड सिक्योरिटी विभाग से संबद्ध बताया। साथ ही उन्होंने सूरी को बताया कि सरकार ने उनका वीजा रद्द कर दिया है।

वकील अहमद ने याचिका में तर्क दिया कि सूरी को उनकी पत्नी की फिलिस्तीनी विरासत के कारण दंडित किया जा रहा है। सूरी की पत्नी मफेज सालेह अमेरिकी नागरिक हैं। सरकार को संदेह है कि वह और उनकी पत्नी इजराइल के प्रति अमेरिकी विदेश नीति का विरोध करते हैं। साथ ही कुछ वेबसाइटों पर मफेज सालेह के हमास के साथ संबंध होने का आरोप लगाया गया है। वह अल जजीरा के लिए काम कर चुकी हैं।

'पॉलिटिको' ने अपनी खबर में भारतीय अखबार हिंदुस्तान टाइम्स में इस जोड़े के बारे में 2018 में प्रकाशित एक लेख का जिक्र किया है। इस लेख के अनुसार, मफेज सालेह के पिता अहमद यूसुफ हमास के शीर्ष नेतृत्व के वरिष्ठ राजनीतिक सलाहकार रह चुके हैं। उधर, होमलैंड सुरक्षा विभाग की प्रवक्ता ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने पुष्टि की कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को एक आदेश जारी किया कि विदेश नीति कारणों से सूरी का वीजा रद्द कर दिया जाना चाहिए।

प्रवक्ता ने एक्स पर लिखा, सूरी जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में एक विदेशी विनिमय छात्र था जो सक्रिय रूप से हमास का प्रचार कर रहा था और सोशल मीडिया पर यहूदी विरोधी भावना को बढ़ावा दे रहा था। सूरी के एक ज्ञात या संदिग्ध आतंकवादी से घनिष्ठ संबंध हैं, जो हमास का वरिष्ठ सलाहकार है। जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण के अनुसार, सूरी अलवलीद बिन तलाल सेंटर फॉर मुस्लिम-क्रिस्चियन अंडरस्टैंडिंग में पोस्टडॉक्टरल फेलो हैं। यह विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ फॉरेन सर्विस का हिस्सा है। वह दक्षिण एशिया में बहुसंख्यकवाद और अल्पसंख्यक अधिकार पर पढ़ा रहे हैं। सूरी ने भारत के एक विश्वविद्यालय से 'शांति और संघर्ष' विषय पर पीएचडी की है।

इस बारे में एक अन्य भारतीय न्यूज चैनल की खबर में साफ किया गया कि उन्होंने दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया के नेल्सन मंडेला सेंटर फॉर पीस एंड कॉन्फ्लिक्ट रिजोल्यूशन से पीस एंड कान्फ्लिक्ट स्टडीज में 2020 में पीएचडी पूरी की। यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता के अनुसार, डॉ. खान सूरी भारतीय नागरिक हैं। उन्हें इराक और अफगानिस्तान में शांति स्थापना पर अपने डॉक्टरेट शोध को जारी रखने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने के लिए विधिवत वीजा दिया गया। हमें उनके किसी अवैध गतिविधि में शामिल होने की जानकारी नहीं है और हमें उनकी हिरासत का कोई कारण नहीं बताया गया है।

'पॉलिटिको' के अनुसार, न्यायाधीश पैट्रिशिया गिल्स ने यह आदेश सूरी की पत्नी मफेज सालेह के हलफनामा दाखिल करने के बाद दिया। मफेज ने इसमें कहा कि उनके पिता गाजा सरकार में उच्चस्तरीय भूमिका में है। बावजूद इसके उनका और उनसे पति का हमास से कोई संबंध नहीं है। उल्लेखनीय है कि सालेह अमेरिकी नागरिक हैं।

इस्तांबुल में मेयर इकरीम इमागोलू की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए छात्रों को हटाते हुए पुलिस अधिकारी।

कराची में यू-ट्यूब न्यूज चैनल संस्थापक गिरफ्तार, एफआईए चार दिन करेगी पूछताछ

इस्लामाबाद, (हि.स.)। पाकिस्तान के कराची की एक अदालत ने एक दिन पहले गिरफ्तार किए गए यू-ट्यूब न्यूज चैनल के संस्थापक फरहान मलिक को आज चार दिन के रिमांड पर संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) को सौंप दिया। एफआईए ने मलिक को इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम अधिनियम (पेका कानून) के उल्लंघन और मानहानि के आरोप में पकड़ा था।

न्यायिक मजिस्ट्रेट (पूर्व) की कराची अदालत में आज कार्यवाही के दौरान मलिक के वकील ने तर्क दिया कि पत्रकार के खिलाफ पहले से ही जांच चल रही है और सिंध हाई कोर्ट ने पहले ही किसी भी कानूनी कार्रवाई को रोकने के आदेश जारी किए हैं। वकील ने दावा किया कि एफआईए ने अदालत के आदेश के विपरीत काम किया। उनके खिलाफ पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 190 (यदि उकसाने के परिणामस्वरूप कोई कार्य किया जाता है और जहां सजा के लिए कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं किया गया है) और धारा 500 (मानहानि के लिए सजा) के साथ पेका अधिनियम की कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

एफआईआर में उल्लेख किया गया है कि मलिक पहले एक निजी समाचार चैनल में निदेशक समाचार के रूप में काम करते थे। अब वह एक यू-ट्यूब न्यूज चैनल का मालिक है। वह कथित तौर पर राज्य विरोधी सामग्री के प्रसार में शामिल रहे हैं। जांच के दौरान साफ हुआ कि इस यू-ट्यूब चैनल में राज्य विरोधी फर्जी खबरों और सार्वजनिक भड़काने वाले एजेंडे से संबंधित पोस्ट और वीडियो प्रसारित किए गए। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान के सार्वजनिक संस्थानों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा।

मलिक के एक्स अकाउंट से कल किए गए एक पोस्ट में उनके परिवार ने कहा कि एफआईए ने कथित तौर पर उनके कार्यालय में जबरन प्रवेश किया। मलिक और उनकी टीम को परेशान किया। उनसे कहा गया कि 20 मार्च को दोपहर एक बजे कार्यालय में उपस्थित हों। मलिक ठीक समय पर पहुंचे। वहां उन्हें घंटों इंतजार कराने के बाद शाम 6 बजे गिरफ्तार कर लिया गया।

जियो न्यूज की खबर के अनुसार विवादास्पद पेका कानून में हाल ही में संशोधन किया गया है। देश भर के पत्रकार संगठन इस कानून का विरोध कर रहे हैं। वह इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने और पत्रकारों और उनके मीडिया आउटलेट्स को डराने का प्रयास बता रहे हैं।

कोरोना के समय चीन से नेपाल को मिली 40 लाख डोज वैक्सीन बेकार हुई

काठमांडू, (हि.स.)। कोरोना काल में नेपाल को चीन सरकार से अनुदान में मिली 40 लाख डोज वैक्सीन बिना प्रयोग के ही नष्ट हो गई है। इसकी कीमत 150 करोड़ रुपये बताई गई है। अब स्वास्थ्य विभाग के लिए सबसे बड़ी समस्या इसके डिस्पोजल को लेकर हो रही है, क्योंकि नेपाल में ऐसी कोई भी जगह नहीं है, जहां इतने बड़े पैमाने पर किसी वैक्सीन को डंप किया जा सके। स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता मोहन कोइराला ने शुक्रवार को बताया कि कोरोना के समय 2021 में चीन सरकार ने अपने यहां निर्मित सिनोवैक कंपनी की वेरोसील कोरोना वैक्सीन की 40 लाख डोज दी थी। लगभग 150 करोड़ रुपये कीमत की चीनी वैक्सीन एक्सपायर होने से बिना प्रयोग के ही बेकार हो गई है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर पहली बार वैक्सीन नष्ट हुई है। अब स्वास्थ्य विभाग के लिए सबसे बड़ी समस्या इसके डिस्पोजल को लेकर हो रही है। आखिर इतनी अधिक संख्या में वैक्सीन का प्रयोग क्यों नहीं हो पाया, जबकि कोरोना के दौरान लोग वैक्सीन के लिए परेशान हो रहे थे? इस सवाल का जवाब देते हुए नेपाल स्वास्थ्य विभाग के टीका अभियान के महानिदेशक टंक प्रसाद बाराकोटी ने कहा कि लोगों में चीन में निर्मित वैक्सीन के प्रति भरोसा नहीं होने के कारण यह बिना प्रयोग के ही नष्ट हुई है। महानिदेशक ने यह भी कहा कि भारत सरकार की तरफ से वैक्सीन मैत्री अभियान के तहत दो-दो प्रकार की वैक्सीन इतनी अधिक मात्रा में अनुदान में उपलब्ध कराई गई और लोगों में उस वैक्सीन के प्रति विश्वास होने के कारण लोग सिर्फ उसी वैक्सीन को प्राथमिकता दे रहे थे।

दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री के खिलाफ लाया गया महाभियोग प्रस्ताव

सियोल, (हि.स.)। दक्षिण कोरिया के मुख्य विपक्षी दल डीपीके ने प्रधानमंत्री हान डक-सू के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया है। देश के

संवैधानिक न्यायालय ने गुरुवार को घोषणा की कि वह सोमवार सुबह 10 बजे हान के महाभियोग को बरकरार रखने या न रखने के बारे में अपना फैसला सुनाएगा। हालांकि, इस न्यायालय ने अभी तक राष्ट्रपति के 3 दिसंबर के मार्शल लॉ घोषणा के लिए महाभियोग परीक्षण पर अपने फैसले की तारीख का खुलासा नहीं किया है।

द कोरिया टाइम्स अखबार की इस आशय की खबर के अनुसार, कानूनी विशेषज्ञों ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री हान डक-सू के महाभियोग का फैसला राष्ट्रपति यूं सूक येओल को संभावित रूप से हटाने के लिए एक लिटमस टेस्ट के रूप में काम कर सकता है।

हान के महाभियोग प्रस्ताव में कई आरोप हैं। इनमें प्रमुख हैं कि राष्ट्रपति के मार्शल लॉ लागू करने में उनकी कथित संलिप्तता। संवैधानिक न्यायालय में अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति से उनका इनकार करना। यून के खिलाफ विद्रोह के आरोपों की जांच के लिए एक स्थायी विशेष वकील नियुक्त करने से उनका इनकार। यून और प्रथम महिला किम कीन ही को लक्षित करने वाले दो विशेष वकील विधेयकों को लागू करने में उनकी विफलता। पूर्व सत्तारूढ़ पीपुल पावर पार्टी (पीपीपी) के नेता हान डोंग-हून के साथ राज्य के मामलों का प्रबंधन करने के उनके प्रयास।

प्रधानमंत्री का तर्क है कि नेशनल असेंबली में प्रस्तुत उनके महाभियोग के सभी आधार अमान्य हैं। उनका दावा है कि उन्होंने यून के मार्शल लॉ घोषणा का विरोध किया था और सैनिकों की लामबंदी में उनकी कोई संलिप्तता नहीं थी। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यदि न्यायालय महाभियोग प्रस्ताव को बरकरार रखता है तो हान को पद से हटा दिया जाएगा। यदि न्यायालय इसे खारिज कर देता है, तो उन्हें कार्यवाहक राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों के रूप में बहाल कर दिया जाएगा।

मैक्सिका में लापता लोगों का एक रिश्तेदार नेशनल गार्ड के सदस्यों के साथ बहस करते हुए।

बांग्लादेश में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की वापसी हमारी लाशों पर होगी : हसनत अब्दुल्ला

ढाका, (हि.स.)। बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले विद्रोह के प्रमुख नेताओं में से एक और नवगठित नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के मुख्य आयोजक (दक्षिण) हसनत अब्दुल्ला ने चेतावनी दी है कि अवामी लीग की सत्ता में वापसी हमारी लाशों पर होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मुल्क का सैन्य नेतृत्व शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की वापसी चाहता है। इस पर विरोध जताते हुए ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने शुक्रवार सुबह परिसर में अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए मार्च निकाला। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार हसनत अब्दुल्ला ने इस संबंध में गुरुवार देर रात फेसबुक पर एक धमाकेदार पोस्ट की, जो तेजी से वायरल हो गई। अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि भारत के मार्गदर्शन में अपदस्थ अवामी लीग को फिर से स्थापित करने की साजिश रची जा रही है। इस पोस्ट में हसनत ने 11 मार्च को दोपहर 2:30 बजे कैंटोनमेंट में हुई एक अहम बैठक का ब्योरा दिया। उन्होंने कहा कि इस बैठक में वह और एनसीपी के दो अन्य नेता शामिल थे। उनके सामने सैन्य नेतृत्व ने अवामी लीग को मुख्यधारा की राजनीति में वापस लाने के लिए उनके सामने एक प्रस्ताव रखा। हसनत ने कहा कि सैन्य नेतृत्व ने कहा कि अगले चुनाव में सीटों के बंटवारे पर बातचीत के बदले में उन्हें यह प्रस्ताव स्वीकार कर लेना चाहिए। सैन्य नेतृत्व ने कहा कि यह प्रस्ताव कई राजनीतिक दलों के सामने रखा चुका है। यह दल कुछ शर्तों के साथ अवामी लीग के पुनर्वास के लिए सहमत हो गए है। सैन्य नेतृत्व ने उनसे कहा कि कुछ दिनों में आप देखेंगे कि मीडिया में कई राजनेता अवामी लीग के पक्ष में बोल रहे होंगे। हसनत अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि भारत चाहता है कि पूर्व सांसद सबर हुसैन चौधरी, पूर्व स्पीकर शिरीन शर्मिन चौधरी और ढाका दक्षिण के पूर्व मेयर फजले नूर तपोश को अवामी लीग के नए चेहरे के तौर पर स्थापित किया जाए। विद्रोही नेता ने कहा कि बैठक में उन्हें बताया गया कि चौधरी, शिरीन और तपोश अप्रैल-मई से शेख हसीना परिवार के अपराधों को स्वीकार करना शुरू कर देंगे। यह नेता जनता के सामने बंगबंधु की अवामी लीग को फिर से स्थापित करने का वादा करेंगे। हसनत ने कहा कि उन्होंने सैन्य नेतृत्व के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और यह भी साफ कर दिया कि अवामी लीग की वापसी आंदोलनकारियों की लाशों पर ही संभव है। इस पर सैन्य नेतृत्व ने उन्हें चेताया कि अवामी लीग के बिना कोई समावेशी चुनाव नहीं हो सकता है। हसनत ने कहा कि पिछले साल जुलाई-अगस्त के आंदोलन के दौरान सरकार से उन्हें समझौते कई प्रस्ताव मिले पर उन्होंने उन्हें स्वीकार नहीं किया। अगर कैंटोनमेंट इसके लिए दबाव डालता है तो वह दोबारा सड़कों पर उतरेंगे। हसनत की पोस्ट पर तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने आज सुबह परिसर में अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए मार्च निकाला। समूह ने दोपहर बाद राजू मूर्तिकला के सामने फिर से एकत्र होने की घोषणा की है। इस बीच, जमात-ए-इस्लामी प्रमुख डॉ. शफीकुर्रहमान ने सुबह अपने फेसबुक पेज पर हसनत के सुर में सुर मिलाते हुए लिखा है कि जनता अवामी लीग के पुनर्वास को स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने तत्काल अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है।

Page-07_Layout 1 3/22/2025 1:27 AM Page 1

चीन में महिलाओं की पेंटाएथलॉन 60 मी बाधा दौड़ में भाग लेती हुई महिला एथलीट।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स : व्हीलचेयर क्रिकेट, आर्म रेसलिंग के बाद ज्ञान प्रकाश शर्मा को बैडमिंटन से हुआ प्यार

नई दिल्ली, (हि.स.)। देश की राजधानी में शुरू हुए खेलो इंडिया पैरा गेम्स में हिस्सा लेने आये ज्ञान प्रकाश शर्मा ने जन्म से ही दोनों पैर लकवाग्रस्त होने के बावजूद बैडमिंटन को दिल से अपनाया। प्रतिभाशाली खिलाड़ी के रूप में उन्होंने उत्तर प्रदेश के लिए व्हीलचेयर क्रिकेट खेलना शुरू किया था और किसी के प्रेरित करने पर आर्म रेसलिंग में भी हाथ आजमाया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय ओपन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। बिहार के पटना निवासी ज्ञान ने बैडमिंटन में अपनी पहचान बनाने की इच्छा जताई है।

व्हीलचेयर (रछ4) श्रेणी में खेलने वाले ज्ञान प्रकाश शर्मा ने इस साल डॉक्टर शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय (लखनऊ) से एचआर में एमबीए की डिग्री प्राप्त की है। वह इसी विश्वविद्यालय के परिसर में बैडमिंटन का अभ्यास भी करते हैं। वे बिहार से खेलो इंडिया पैरा गेम्स के दूसरे संस्करण में भाग लेने वाले एकमात्र व्हीलचेयर बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। जब उनसे इस खेल से जुड़े सफर के बारे में पूछा गया तो ज्ञान ने बताया, लखनऊ में 2023 में पैरा नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप हुई थी। उस समय मैं एक कंपनी में काम कर रहा था, जो टूर्नामेंट स्थल पर हॉस्पिटैलिटी प्रबंधन कर रही थी। मैं खिलाड़ियों, मैच अधिकारियों और रेफरी से मिलता था। यह सब देखकर मैं इस खेल से बहुत प्रभावित हुआ और इसे खेलना शुरू किया।

किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले ज्ञान ने 2024 में अपनी श्रेणी में बिहार चैंपियन का खिताब जीता और फिर झारखंड के जमशेदपुर में आयोजित सीनियर नेशनल पैरा चैंपियनशिप में भाग लिया। यह मेरा पहला टूर्नामेंट था। मेरी श्रेणी में 64 खिलाड़ियों के बीच मैंने प्री-क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया। इसी के आधार पर मेरा चयन खेलो इंडिया पैरा गेम्स के दूसरे संस्करण के लिए हुआ। यही कारण है कि मैं आज यहाँ आया हूँ यह देखने के लिए कि विकलांग खिलाड़ियों की कितनी देखभाल की जाती है।

उत्तर प्रदेश के एक मित्र से उधार लिए व्हीलचेयर के सहारे दिल्ली आए ज्ञान प्रकाश शर्मा अच्छे आर्म रेसलर भी हैं और उत्तर प्रदेश व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के नियमित सदस्य भी हैं। उन्होंने पिछले साल इंदौर में आयोजित ऑल इंडिया ओपन आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में 57 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता था। साई मीडिया से बातचीत में ज्ञान ने कहा, मेरा आर्म रेसलिंग करियर बस एक संयोग था। मेरे मध्य प्रदेश के एक मित्र रिंकू ने एक बार मजाक में मुझसे आर्म रेसलिंग करने के लिए कहा। मैंने कोशिश की और वह मुझे हरा नहीं सका। इसके बाद उसने मुझे इस खेल में भाग लेने की सलाह दी और बताया कि इंदौर में ओपन चैंपियनशिप हो रही है। मैं बिना तैयारी के वहां गया और कांस्य पदक जीत लिया!

ज्ञान ने बताया कि उन्होंने अपने परिवार की जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए एमबीए किया है और नौकरी पाना उनकी पहली प्राथमिकता है, लेकिन बैडमिंटन से उन्हें बेहद लगाव हो गया है और वे इस खेल में अपनी पहचान बनाना चाहते हैं।

मुरादाबाद, वाराणसी, लखनऊ, सहारनपुर, बरेली व आगरा की टीमें जीतीं

मुरादाबाद, (हि.स.)। खेल निदेशालय उप्र लखनऊ एवं उप्र बास्केटबाल संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय जूनियर बालिका बास्केटबाल प्रतियोगिता शुक्रवार को भी रामंगगा विहार स्थित सोनकपुर स्पार्ट्स स्टेडियम में जारी रही।

मुख्य अतिथि क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी जितेंद्र यादव एवं उप्र ओलम्पिक संघ संयुक्त सचिव डॉ अजय पाठक द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। पहला मैच वाराणसी वनाम मुरादाबाद के मध्य खेला गया जिसमें वाराणसी ने 59-39 से यह मैच जीता। वाराणसी की ओर से सोनम ने सर्वाधिक 25 गोल किये। दूसरा मैच लखनऊ बनाम मेरठ के बीच खेला गया जिसमें लखनऊ की टीम ने 23-14 से यह मैच जीता। विजेता टीम की ओर से बृक्षा ने 12 गोल किये। तीसरा मैच सहारनपुर बनाम मिजार्पुर के बीच खेला गया जिसमें सहारनपुर की टीम ने 06-02 से यह मैच जीता। विजेता टीम की ओर से रिया ने 04 गोल किये। चौथा मैच लखनऊ बनाम बरेली के बीच खेला गया जिसमें बरेली की टीम ने 06-15 से यह मैच जीता। विजेता टीम की ओर से इंशाह ने 10 गोल किये। पाँचवा मैच वाराणसी वनाम मिजार्पुर के मध्य खेला गया जिसमें वाराणसी ने 22-0 से यह मैच जीता। वाराणसी की ओर से मोनी ने सर्वाधिक 08 गोल किये।

छठा मैच बरेली बनाम मेरठ के बीच खेला गया जिसमें बरेली की टीम ने 7-5 से यह मैच जीता। विजेता टीम की ओर से सिद्धी ने 03 गोल किये। सातवां मैच-सहारनपुर बनाम मुरादाबाद के बीच खेला गया जिसमें मुरादाबाद की टीम ने 22-9 से यह मैच जीता।

विजेता टीम की ओर से रूबी ने 10 गोल किये। आठवां मैच आगरा बनाम लखनऊ के बीच खेला गया जिसमें आगरा की टीम न 32-9 से यह मैच जीता। विजेता टीम की ओर से प्रज्ञा ने 08 गोल किये। प्रतियोगिता का निर्णायक मण्डल उमेश साहू, सौरभ सिंह, उमेश सिंह, कुलदीप सिंह, मोहित चौधरी, अनमोल, गगन, आशीष वर्मा आदि रहे।

इस मौके पर गोविन्द यादव, कुश्ती प्रशिक्षक धीरज कुमार खो-खो प्रशिक्षक, प्रदीप सक्सैना, अंकित अग्रवाल, नरेशपाल सिंह, आदि उपस्थित रहे।

पाटीदार की कप्तानी में नए दौर की शुरूआत, आईपीएल ओपनर में केकेआर से भिड़ेगा आरसीबी

कोलकाता, (हि.स.)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के नए सीजन की शुरूआत 22 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ ईडन गार्डन्स में करेगी। यह मैच आरसीबी के लिए एक नए दौर की शुरूआत का प्रतीक होगा, क्योंकि टीम की कमान पहली बार रजत पाटीदार संभालेंगे। मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने मैच से पहले टीम की तैयारियों पर भरोसा जताते हुए पाटीदार की कप्तानी की सराहना की।

पटीदार की कप्तानी को लेकर फ्लावर ने कहा, हमने टीम में अनुभव जोड़ने पर खास ध्यान दिया है, जिससे राजत को बेहतरीन समर्थन मिल सके। वह इस चुनौती को लेकर उत्साहित हैं, और पूरा दल उनके साथ खड़ा है।

टीम के पहले दो मुकाबले कोलकाता और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हैं, जिसे लेकर फ्लावर ने कहा, दो बड़े मुकाबलों से शुरूआत करना हमारे लिए एक शानदार मौका है। ये हमें टूर्नामेंट में लय हासिल करने में मदद करेगा।

केकेआर के मजबूत स्पिन आक्रमण को लेकर फ्लावर ने माना कि वरुण चक्रवर्ती शानदार फॉर्म में हैं और सुनील नारायण का रिकॉर्ड भी बेहतरीन है। लेकिन यही तो इस खेल की खूबसूरती है- सर्वश्रेष्ठ के खिलाफ अपनी परीक्षा देना।

आरसीबी के बल्लेबाजी क्रम में विराट कोहली, फिल सॉल्ट, लियाम लिविंगस्टोन, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, टिम डेविड और क्रुणाल पंड्या जैसे धाकड़ खिलाड़ी शामिल हैं, जो किसी भी आक्रमण को ध्वस्त कर सकते हैं।

मियामी ओपन टेनिस में डारिया कसाटकीना फोरहैंड शॉट लगाती हुई।

दिल्ली

विधायकों की अनदेखी करने वाले अधिकारियों पर होगी सख्त कार्रवाई : दिल्ली सरकार

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के मुख्य सचिव को लिखे गए पत्र के अनुपालन में दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने शुक्रवार को सभी विभागों के सचिवों और विभागाध्यक्षों को विधानसभा सदस्यों के साथ व्यवहार करते समय निदेर्शों का पालन करने के लिए एक परिपत्र जारी किया है।

प्रशासन और सांसदों तथा राज्य विधानसभाओं के बीच व्यवहार के लिए दिल्ली सरकार के एसओपी का उल्लेख करते हुए सामान्य प्रशासन के अतिरिक्त सचिव ने कहा कि ऐसा कोई अवसर नहीं होना चाहिए कि विधायकों या सांसदों को ऐसी शिकायतें करने के लिए बाध्य होना पड़े। इन निदेर्शों का पालन न करने पर उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और संबंधित अधिकारी के मूल्यांकन में यह एक महत्वपूर्ण इनपुट होगा।

उल्लेखनीय है कि विधानसभा अध्यक्ष ने बुधवार को मुख्य सचिव धर्मेंद्र को लिखे पत्र में चेतावनी देते हुए कहा कि कुछ ऐसे मामले मेरे संज्ञान में लाए गए हैं, जहां विधानसभा के सदस्यों के पत्र, फोन कॉल या संदेशों के रूप में किए गए संचार को संबंधित अधिकारी द्वारा स्वीकार भी नहीं किया गया है। विधानसभा के सदस्यों की बात नहीं सुनना एक गंभीर मामला है।

उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि इस संबंध में दिल्ली के सामान्य प्रशासन विभाग और केन्द्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की ओर से समय-समय पर जारी किए गए सरकारी निदेर्शों को दोहराने की तुरंत आवश्यकता है। साथ ही मुख्य सचिव से आगे इस संबंध में उठाए गए कदमों के बारे में सूचित करने को भी कहा था।

भाजपा अध्यक्ष की चेतावनी- आतिशी माफी मांगे या कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार रहें

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष आतिशी मालेर्ना द्वारा सोशल साइट् पोस्ट में भाजपा नेताओं पर कमीशन मांगने के आरोप की कड़ी भर्त्सना की है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री या तो माफी मांगे या कानूनी कार्रवाई का सामना करने को तैयार हो जाए।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दस साल तक रात-दिन दिल्ली की जनता अरविंद केजरीवाल को एक ही राग अलापते सुनती रही कि केंद्र सरकार और अधिकारी हमें काम नहीं करने दे रहे हैं। वहीं जनता आज आम आदमी पार्टी के नेता आतिशी मालेर्ना को यह कहते देख आश्चर्यचकित है कि हमारी सरकार ने दिल्ली में अधिकारियों के सहारे नए स्कूल, अस्पताल एवं फ्लाईओवर बनाए। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आतिशी एवं उनके राजनीतिक आका अरविंद केजरीवाल बताएं कि यदि उनकी सरकार ने कमीशनखोरी रोकी थी तो दिल्ली जल बोर्ड बर्बाद क्यों हुआ, क्यों पूरी दिल्ली 2024 के मानसून में जलजमाव से त्रस्त हुई, क्यों दिल्ली की सड़कें टूटी बदहाल हैं, क्यों दिल्ली में 10 साल में एक नया अस्पताल नहीं बना, क्यों दिल्ली के स्कूलों में विज्ञान एवं कॉमर्स नहीं पढ़ाये गए। आखिर क्यों दिल्ली के लगभग सभी तत्कालीन मंत्री एवं खुद अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल और जमानत है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने लोकतंत्र सेनानियों का किया अभिनंदन

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शुक्रवार को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में 1977 में आपातकाल की समाप्ति दिवस पर आयोजित लोकतंत्र विजय दिवस कार्यक्रम में 1975 - 77 के आपातकाल बंदियों को सम्मानित किया। सचदेवा ने देश भर से कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे आपातकाल बंदियों को सम्बोधित करते हुए उन्हें सच्चा देशभक्त बताया।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अगर लोकतंत्र को समझना हो तो सबसे पहले हमें लोकतंत्र के सेनानी, जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया, उन्हें समझने की जरूरत है।

इस मौके पर उपस्थित आपातकाल बंदियों को संबोधित करते हुए वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि 21 मार्च को ही देश से आपातकाल हटाया गया था। इसलिए यह लोकतंत्र की विजय का दिन है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासकों द्वारा 25 जून 1975 को लोकतंत्र को कुचलने का काम किया गया था। उस लड़ाई को लड़ने वाले आपातकालीन साथियों ने यातनाएं सहीं और 19 महीने तक जेलें काटीं और कई आपातकाल बंदियों को शहादत देनी पड़ी। आज का भारतीय लोकतंत्र उन सभी के त्याग और बलिदान पर खड़ा है। सचदेवा ने कहा कि देश भर से आए आपातकाल के वे सभी साथी, जिन्होंने इस कष्ट को सहा है, उन्हें आज सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को इस बात को समझना चाहिए कि कांग्रेस के शासनकाल में किस प्रकार से लोकतंत्र की हत्या की जाती रही है। आपातकाल के 19 महीने कांग्रेस शासन की तानाशाही का प्रमाण है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने उन सभी आपातकाल बंदियों और उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट की, जिन्होंने आपातकाल के कष्ट सहे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व भर में भारतीय लोकतंत्र का डंका बजा रहे हैं। भारतीय लोकतंत्र की सच्ची ताकत ने जनता की आवाज को बढ़ाने का काम किया है। सचदेवा ने कहा कि आपातकाल बंदियों से सीखकर हम उस तरह के समाज का निर्माण करें, जहां 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प ले सकें। लोकतंत्र सेनानी संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वीरेंद्र सचदेवा के अलावा पूर्व केन्द्रीय मंत्री अश्वनी चौबे, लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी, सत्य नारायण जटिया, ओ. पी. बब्बर, सुभाष आर्या, राजीव बब्बर, राजन ढींगरा आदि उपस्थित थे।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने पीसी एंड पीएनडीटी ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया, भ्रूण जांच की होगी सख्त निगरानी

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ पंकज कुमार सिंह ने शुक्रवार को दिल्ली सचिवालय में आयोजित एक दिवसीय 'स्टेट लेवल वर्कशॉप ऑन द इफेक्टिव इम्प्लीमेंटेशन ऑफ पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट' कार्यशाला में भाग लिया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने पीसी एंड पीएनडीटी ऑनलाइन पोर्टल को लॉन्च किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ऑनलाइन पोर्टल के शुरू होने से पारदर्शिता बढ़ेगी, भ्रूण जांच की सख्त निगरानी होगी। यह पूर्व गभार्धान और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम (पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट) के प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पोर्टल रियल टाइम में डायग्नोस्टिक केंद्रों की निगरानी करेगा, जिससे मैन्युअल प्रक्रिया को डिजिटल सिस्टम से बदलकर जवाबदेही सुनिश्चित होगी। इस पोर्टल के माध्यम से यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी डायग्नोस्टिक सेंटर कानून का पालन करें और अल्ट्रासाउंड तकनीक का दुरुपयोग लिंग जांच में न हो।

यह पोर्टल अल्ट्रासाउंड क्लीनिकों के लिए फॉर्म-एफ ऑनलाइन भरने, लोगों के लिए शिकायत दर्ज करने, जांच और कार्रवाई की डिजिटल निगरानी करने और नियमों के पालन की रियल टाइम जानकारी देने की सुविधा देगा। इससे सरकार को डायग्नोस्टिक सेंटर्स पर निगरानी रखना और नियम लागू करना आसान और असरदार होगा। इस मौके पर मंत्री ने लिंग समानता और बालिका सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने इस डिजिटल पहल के सफल लॉन्च के लिए अधिकारियों को बधाई दी और कहा कि यह दिल्ली के लिंगानुपात (922) में सुधार में मदद करेगा। साथ ही उन्होंने उपस्थित स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों को पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि 'लिंग जांच का मुद्दा समाज के लिए एक अभिशाप है, जो वर्षों से गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। दिल्ली देश की राजधानी है, इसलिए दिल्ली से एक सकारात्मक संदेश पूरे देश में जाए। मुझे भरोसा है कि यह पहल दिल्ली का लिंगानुपात सुधारने और लैंगिक भेदभाव खत्म करने में अहम भूमिका निभाएगी। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इस पोर्टल पर आने वाली सभी शिकायतों पर सख्त कार्रवाई हो और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। इस कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि लिंग जांच के मुद्दे पर विभाग द्वारा लगातार निगरानी, जन-जागरूकता अभियान और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2024-25 में कुल 627 निरीक्षण किए गए, जिनमें 70 जांच केंद्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए, 13 के निलंबन, 53 के पंजीकरण रद्द एवं 22 अल्ट्रासाउंड मशीनें सील की गई। इस कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, डॉक्टर, पीसी एंड पीएनडीटी के नोडल अधिकारी, इस क्षेत्र में कार्यरत गैर-सरकारी संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने इस अधिनियम के सख्त क्रियान्वयन और जन-जागरुकता बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यशाला में महत्वपूर्ण जानकारियों का आदान-प्रदान, विचार-विमर्श और बेहतरीन कार्यप्रणाली को साझा किया गया।

नई दिल्ली। आईपीयू की सक्सेस स्टोरी से सीखेगी सिंघानिया यूनिवर्सिटी।

Page-08_Layout 1 3/22/2025 12:04 AM Page 1

लखनऊ। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश को ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड द्वारा 61वीं वार्षिक सामान्य निकाय बैठक मैं सम्मिलित होते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अब अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता भी बनेगा प्रदेश का किसान

आलोक पाण्डेय/दिव्य भारत

- **परियोजना के तहत एक ही भूमि पर भूमि की सतह पर कृषि और सतह से ऊपर सौर ऊर्जा उत्पादन दोनों संभव होंगे**

लखनऊ/नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने एग्रीवोल्टिक्स परियोजना को अपनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने उत्तर प्रदेश में एग्रीवोल्टिक्स परियोजनाओं का प्रदर्शन शीर्षक से राज्य सरकार के तकनीकी सहायता प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना के तहत एक ही भूमि पर भूमि की सतह पर कृषि और सतह से ऊपर सौर ऊर्जा उत्पादन दोनों संभव होंगे। उत्तर प्रदेश में उपलब्ध भूमि सीमित है, ऐसे में यह नवाचार किसानों और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए लाभकारी साबित होगा। इससे किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी, ऊर्जा उत्पादन बढ़ेगा और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस तरह योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का किसान अब सिर्फ अन्नदाता नहीं, बल्कि ऊर्जादाता भी बन जाएगा और प्रदेश की अर्थव्यवस्था में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकेगा। इस सहायता के साथ, उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है, जिसे एडीबी से इस प्रकार की आर्थिक सहायता मिली है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित इस परियोजना के लिए एशियाई विकास बैंक से 4.15 करोड़ (0.50 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की तकनीकी सहायता मांगी गई थी। यह प्रस्ताव 28 फरवरी 2025 को आर्थिक मामलों के विभाग की स्क्रीनिंग कमेटी की 153वीं बैठक में अनुमोदित किया गया। इस मंजूरी के साथ, डीईए ने इस परियोजना को एडीबी के समक्ष अनुदान के रूप में प्रस्तुत किया है। यदि यह पायलट परियोजना सफल रहती है, तो भविष्य में उत्तर प्रदेश सरकार भारत सरकार के सहयोग से इस पर एक व्यापक नीति तैयार करेगी। यह पहल नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने, कृषि और ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार लाने और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित हो ऐसी प्रेरणा व प्रयास यूपीनेडा द्वारा किया जा रहा है। एडीबी को इस परियोजना के आगे की प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। उत्तर प्रदेश की यह पहल भारत की स्वच्छ ऊर्जा और सतत कृषि नीति को समर्थन देती है और अन्य राज्यों के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल साबित हो सकती है। यह परियोजना उत्तर प्रदेश को नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे किसानों को सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण दोनों का लाभ मिलेगा।

अयोध्या सनातन धर्म की आधारभूमि : योगी

दिव्य भारत संवाददाता

- **अयोध्या में 2016-17 में पूरे साल भर मात्र 2.34 लाख श्रद्धालु आते थे, लेकिन आज पहुंच रहे 16 करोड़**
- **अयोध्या केवल एक शहर नहीं, बल्कि धर्म और साहित्य की प्रेरणास्थली**

अयोध्या। अयोध्या में 2016-17 में पूरे साल भर मात्र 2.34 लाख श्रद्धालु अयोध्या आते थे, लेकिन आज 16 करोड़ से अधिक लोग यहां भगवान श्री राम का दर्शन करने आ रहे हैं। यह अयोध्या की बढ़ती महिमा और भव्यता का प्रतीक है। अयोध्या में टाइमलेस अयोध्या लिटरेचर फेस्टिवल के भव्य शुभारंभ के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य अतिथि के रूप में ये बातें कहीं। मुख्यमंत्री योगी ने सबसे पहले वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अशोक के पौधे को जल अर्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने विरासत और विकास को साथ जोड़कर भारत की परंपराओं को पुनर्जीवित करने का कार्य किया है, जिससे एक बड़ी शुरूआत हुई है।

अयोध्या में आयोजित इस साहित्यिक महोत्सव में सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच राजसदन में प उनका पारंपरिक तरीके से अभिनंदन हुआ। मुख्यमंत्री ने मंच से अपने संबोधन में कहा कि अयोध्या सनातन धर्म की आधारभूमि है। यह केवल एक शहर नहीं, बल्कि धर्म और साहित्य की प्रेरणास्थली है। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि और संत तुलसीदास द्वारा रामायण और रामचरितमानस की रचना का उल्लेख करते हुए कहा कि अयोध्या हमेशा से साहित्य और संस्कृति का केंद्र रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या सनातन धर्म का केंद्र है। भगवान मनु ने यहीं से मानव धर्म की नींव रखी और यही भूमि श्री हरि विष्णु के अवतार प्रभु श्रीराम की कर्मभूमि बनी। रामायण दुनिया का पहला महाकाव्य बना, जिसने साहित्य को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार महर्षि वाल्मीकि ने राम कथा को विश्वभर में अमर कर दिया, उसी प्रकार आज भी अयोध्या से जुड़ी हर रचना लोगों के हृदय को छूती है। उन्होंने कहा कि रामायण और रामचरितमानस आज भी दुनिया के हर कोने और देश के हर घर में पढ़े और सराहे जाते हैं। सीएम बोले, मुझे एक बार यूरोप जाने का अवसर मिला। वहां एक टैक्सी ली। टैक्सी वाले से पूछा कहां के रहने वाले हो तो उसने बताया कि पंजाब का रहने वाला हूं। फिर मैंने कहा पंजाब में कहां से। थोड़ा संकोच में उसने कहा मैं पाकिस्तान वाले पंजाब से हूं। मैंने पूछा पहले तुमने भारतीय क्यों कहा। तो उसने कहा हम भारतीय कहने पर सेफ रहते हैं। अगर हम पाकिस्तान का बोलें तो पता नहीं क्या हो जाए। यह स्थिति आज दुनिया के अंदर है। भारत के प्रति सम्मान का भाव है, लेकिन जिन्होंने दुनिया को आतंकवाद का भाव दिया उतना ही उनके प्रति नफरत दुनिया के मन में भी है। सीएम ने कहा कि आज लोग अपने को भारत और विशेष तौर पर उत्तर प्रदेश का नागरिक बताते हुए गर्व महसूस करते हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, अयोध्या लिटरेचर फेस्ट के संयोजक यतींद्र मिश्र समेत कई विशिष्टजन मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने किए मां पाटेश्वरी के दर्शन

- **गो माता को खिलाया गुड़, मंदिर की व्यवस्थाओं का लिया जायजा**

लखनऊ। गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर गुरुवार को बलरामपुर पहुंचे थे। यहां उन्होंने चैत्र नवरात्रि मेले की तैयारियों का जायजा लिया। इसके बाद गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार प्रातः तुलसीपुर में देवी शक्तिपीठ मां पाटेश्वरी मंदिर में दर्शन, पूजन-अर्चन किए। मुख्यमंत्री ने मां से सुखी, स्वस्थ व प्रसन्नचित्त उत्तर प्रदेश की कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री गोशाला गए, जहां उन्होंने गायों को गुड़ खिलाया। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस दौरान मंदिर के महंत मिथिलेश नाथ योगी, कालीबाड़ी मंदिर गोरखपुर के महंत रवींद्र दास जी आदि मौजूद रहे।

ज्ञान हमें मुक्ति की तरफ ले जाता है : जिलाधिकारी

धर्मेन्द्र श्रीवास्तव/दिव्य भारत

प्रतापगढ़। बेसिक शिक्षा विभाग की तरफ से प्री प्राइमरी शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम, निपुण सम्मान समारोह एवं पीएम श्री विद्यालयों कार्यशाला का आयोजन तुलसीसदन (हादीहाल) में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। सरस्वती वंदना गीत कंपोजिट विद्यालय संडीला गौरा की बच्चियों के द्वारा और स्वागत गीत प्राथमिक विद्यालय शंकर दयाल रोड नगर क्षेत्र के बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किया गया।

मंच से जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने कहा कि ज्ञान हमें मुक्ति की तरफ ले जाता है, हमारी समस्त सामाजिक, आर्थिक, सामाजिक संरचना ज्ञान के आधार पर टिकी रही है। उन्होने कहा कि विद्या हमें विनम्रता प्रदान करती है, विनम्रता से योग्यता आती है, योग्यता से धन प्राप्त होता है। धन का उपयोग अच्छे और धार्मिक कार्यों में करने से धर्म की प्राप्ति होती है और धर्म (सत्य, न्याय, और अच्छे कर्म) से वास्तविक सुख प्राप्त होता है।

उन्होने कहा कि जिस व्यक्ति में श्रद्धा का भाव होता है वही ज्ञान प्राप्त करता है और जिस व्यक्ति में श्रद्धा का भाव नही होता है वह ज्ञान प्राप्त नही कर सकता है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य अच्छा संस्कारी मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण नागरिक बनना है और ज्ञानार्जन की पहली शर्त शिक्षकों के प्रति और किताबों के प्रति श्रद्धा है। बिना संस्कार के शिक्षा वैसे ही है जैसे बिना नैतिकता के विज्ञान। हमारे समाज में गुरूओं का स्थान अग्रणी रहा है और माता-पिता के साथ-साथ अगर कोई रिश्ता सबसे महत्वपूर्ण होता है तो वह गुरू और शिष्य का होता है, इसलिये बच्चों को अच्छी शिक्षा एवं संस्कार दिया जाये जिससे वह आगे बढ़ सके और देश व समाज का नाम रोशन कर सके। शिक्षकगण लगन और निष्ठा के साथ कार्य करें जिससे बच्चों का भविष्य उज्जवल हो सके।

उसके बाद जिलाधिकारी द्वारा निपुण हुए विद्यालयों का प्रतिनिधित्व कर रहे चिन्हित बच्चों और अध्यापकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। नई शिक्षा नीति की चुनौतियों हेतु सभी विभागों के समन्वित प्रयास की आवश्यकता और पूर्व प्राथमिक शिक्षा में बाल विकास पुष्टाहार और बेसिक शिक्षा विभाग के साझे प्रयास हेतु निर्देशित किया इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र सिंह द्वारा हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम के उद्देश्य और बच्चे के विकास में समुदाय की भूमिका पर चर्चा की गई एवं आये हुये अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया और उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक-शिक्षिकओं को बधाई दी। कार्यक्रम में कुल 1490 में से निपुण हुए 960 स्कूलों में से संबंधित ब्लाक के खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा चिन्हित उत्कृष्ट शिक्षक व निपुण बच्चों को सम्मानित किया गया।

रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में चंदन के पौधों का रोपण

सुजीत चतुर्वेदी/दिव्य भारत

- **वन संपदा हमारी धरोहर है, हमें इसे सहेजना होगा : कुलपति**
- **हम सभी मिलकर पृथ्वी पर पेड़ लगाकर प्राणवायु तैयार करते हैं: मुख्य वन संरक्षक**

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर चंदन के पौधों का रोपण किया गया। इस वर्ष के वन दिवस का विषय वन एवं भोजन था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य वन संरक्षक, बुंदेलखंड जोन, एच. वी. गिरीश ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं, जो हमें शुद्ध वायु, भोजन और आजीविका प्रदान करते हैं। उन्होंने इसे बसंत पंचमी जैसा उत्सव बताते हुए कहा कि जैसे इस दिन पेड़ों में नई कोपलें आती हैं, वैसे ही हमें भी अधिक से अधिक पेड़ लगाकर प्रकृति के साथ समन्वय स्थापित करना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि वन संपदा हमारी धरोहर है, इसे संरक्षित और संवर्धित करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि अतीत में वनों ने न केवल भोजन उपलब्ध कराया, बल्कि समाज की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत सरकार के प्रयासों से अब वनों के संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ी है और अवैध कटाई पर नियंत्रण पाया गया है। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों, एनएसएस स्वयंसेवकों और ग्रामवासियों के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-छोटे मॉडल स्थापित करें ताकि वन संरक्षण को और अधिक बढ़ावा दिया जा सके। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में पहले से ही 1400 से 1500 विभिन्न प्रकार के पौधे लगे हुए हैं, जिनका संरक्षण और संवर्धन किया जा रहा है।

इस अवसर पर उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस की स्थापना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2012 में 21 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के रूप में घोषित किया था। इस दिन को मनाने का उद्देश्य वनों के महत्व को उजागर करना और वृक्षारोपण के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने विश्व खाद्य सुरक्षा में वनों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुभारंभ

दिव्य भारत संवाददाता

झाँसी। रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में सम्भागीय कृषि परीक्षण एवं प्रदर्शन केन्द्रों पर कार्यरत तकनीकी कर्मचारियों के लिए तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कौशल उन्नयन प्रशिक्षण प्रायोगिक डिजाइन एवं सांख्यिकी डाटा विश्लेषण का आज शुभारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि विभाग के शोध एवं मृदा सर्वेक्षण अनुभाग द्वारा वित्तपोषित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. अशोक कुमार सिंह ने की। डॉ. राकेश चौधरी, वैज्ञानिक (आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन) ने प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत की। कुलपति अशोक कुमार सिंह ने कृषि प्रयोगों में प्रयोगों के लेआउट और डाटा रिकॉर्डिंग की महत्ता पर जोर देते हुए तकनीकी कर्मचारियों को प्रायोगिक कार्यों की उपयोगिता समझाई। उन्होंने वैज्ञानिकों को सुझाव दिया कि वे विश्वविद्यालय प्रक्षेत्र में प्रयोग करके तकनीकी अधिकारियों को व्यावहारिक ज्ञान दें। मुख्य अतिथि डॉ. सुशील कुमार चतुर्वेदी निदेशक शोध, ने विभिन्न फसलों की प्रजातियों के परीक्षण, शस्य क्रियाओं, तथा रोग एवं कीट नियंत्रण से जुड़े प्रयोगों के सही डिजाइन और डाटा संकलन के महत्व पर प्रकाश डाला।

राज्य के विभिन्न केन्द्रों से आए 18 प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया और अपना परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अंशुमान सिंह, वैज्ञानिक (आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन) ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रूमाना खान, सहायक प्राध्यापक (आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन) ने किया।

विजिलेंस टीम ने जेई को रिश्वत लेते हुए किया गिरफ्तार

दिव्य भारत संवाददाता

प्रतापगढ़। बिजली विभाग के जेई को कटे हुए बिजली कनेक्शन को जोड़ने के एवज में रिश्वत लेना महंगा पड़ गया, प्रयागराज विजिलेंस टीम ने जेई को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया।

दरअसल विजिलेंस टीम के पास शिकायतकर्ता राजेश शुक्ला ने शिकायत की, उससे बिजली कनेक्शन को दुबारा जुड़वाने के लिए पांच हजार रुपए की विद्युत वितरण खण्ड कुण्डा में तैनात जेई द्वारा मांग की जा रही है। जिस पर विजिलेंस टीम ने योजना बनाकर जेई को रंगेहाथ पकड़ने की योजना बनाई, रिश्वतखोर जेई कमल कश्यप को हथिगवां थाना एरिया के महेवा मोहनपुर के पास रिश्वत देने के लिए बुलाया गया।

रिश्वतखोर जेई रिश्वत पाने की लालच में महेवा मोहनपुर पहुंच जाता है। वहां पर मौजूद पीड़ित राजेश शुक्ला जैसे ही पांच हजार रुपए रिश्वत जेई कमल कश्यप के हाथों में देता है वैसे ही वहां पर पहले से मौजूद विजिलेंस टीम जेई को पांच हजार रुपए के साथ रंगेहाथ पकड़ लेती है।

इसके बाद विजिलेंस टीम रिश्वतखोर जेई कमल कश्यप को लेकर हथिगवां थाने पर पहुंच जाती है। वहां पर विजिलेंस टीम के द्वारा जेई कमल कश्यप से काफी देर तक पूछताछ की जाती है। उसके बाद विजिलेंस टीम के द्वारा हथिगवां थाने में जेई के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया जाता है।

नगर पालिका का कारनामा, बिना नाली के ही बना दिया मूत्रालय

दिव्य भारत संवाददाता

- **एनआईसी के सामने ही कुछ समय पहले ही बना है मूत्रालय**

प्रतापगढ़। जिला कलेक्ट्रेट परिसर में कुछ महीने पहले ही नगरपालिका परिषद के द्वारा जिलाधिकारी के आदेश पर एनआईसी ऑफिस के ठीक सामने पुराने मूत्रालय के तोड़कर नया मूत्रालय का निर्माण कराया गया है। मूत्रालय तो बनवा दिया गया, टायल्स भी लगवा दिया गया लेकिन मूत्रालय में मूत्र निकासी के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई, जिसके कारण मूत्रालय में मूत्र भर गया है।

जिला कलेक्ट्रेट परिसर में हर दिन हजारों की संख्या में लोग आते है। जिसके कारण मूत्रालय में सारा मूत्र भरता चला गया, हालत ऐसे हो गए कि मूत्रालय में मूत्र विसर्जन के लिए जगह ही नहीं बची है। ऊपर से इस समय गर्मी का दौर शुरू हो रहा है तो मूत्रालय में जो मूत्र भरा हुआ है, वह अब बदबू करने लग गया है, बदबू होने के कारण मूत्रालय के आसपास लोगों को आसपास खड़े होने में भी दिक्कत होती है। एनआईसी ऑफिस में जिले के बड़े बड़े अधिकारी भी कॉन्फ्रेंसिंग करने के लिए आते हैं।

बड़ा सवाल यह उठता है कि नागपालिका परिषद के द्वारा लाखों रुपए खर्च करने के बावजूद यह आलम है तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि मूत्रालय को बनवाने के समय कितना बंदरबांट किया गया है। आखिर मूत्रालय में मूत्र की निकासी के लिए व्यवस्था क्यों नहीं की गई? सिर्फ ढांचा खड़ा करके टायल्स लगाके ही क्यों छोड़ दिया गया। क्या उन्हें नहीं पता था कि अगर मूत्र निकासी के लिए व्यवस्था नहीं की गई तो मूत्रालय में ही मूत्र भर जाएगा। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगर जिला कलेक्ट्रेट परिसर में मूत्रालय बनवाने में खेल किया जा सकता है तो सोचिए बाकी जगहों का क्या हाल होता होगा।